Tc.No. : GUJHIN00722

दैनिक

क्रांति समय

संपादक : सुरेश मौर्या मो. 9879141480

E-mail: krantisamay@gmail.com

सूरत, वर्षः 1 अंकः 30 , गुरुवार, 22 फरवरी 2018, पेजः 4, मुल्य 1 रु.

ऑफिसः- 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात

इन्वेस्टर्स समिट : राजनाथ बोले- केंद्र सरकार ने साइबर क्राइम रोकने के लिए कई कदम उठाए

लखनऊ। यूपी की आर्थिक सूरत बदलने, युवाओं को रोजगार मुहैया कराने और नए उद्योग लगाने के लिए आयोजित किया गया उद्योगपतियों और कारोबारियों का महामेला आज यानी बुधवार से लखनऊ में शुरू हो चुका है। इस मौके पर गृह मंत्री राजनाथ सिंह ने यूपी इन्वेस्टर्स समिट के लिए सीएम योगी आदित्यनाथ को बधाई दी है। उसके बाद कहा कि कहा कि केंद्र सरकार ने साइबर क्राइम रोकने के लिए कुछ कदम उठाए हैं।

एक साइबर क्राइम की डिविजन तैयार की है। उसे बाद कहा उन्होंने कहा कि यूपी में निवेशकों के लिए सरकार का पहला लक्ष्य सुरक्षा होगा। जाहिर है जिस प्रदेश की कानून व्यवस्था ठीक नहीं होगी वहां कोई इन्वेस्ट करना नहीं चाहेगा। आगे उन्होंने कहा कि यूपी सरकार ऑरगनाइज्ड क्राइम और करप्शन पर कार्रवायी कर रही है।

उन्होंने कहा कि एक बिजनेस कंडक्टिव इनवायरमेंट पैदा करके यूपी को इन्वेस्टर्स के लिए लक्ष्य बनाने की दिशा में भी काम चल रहा है।

आयोजन की खास बातें: 2 दिन सत्र : 30 सत्र पार्टनर कंट्री : 7 डेलीगेट्स : 6000 केंद्रीय मंत्री : 18 यह मंत्री करेंगे शिरकत केन्द्रीय वाणिज्य व उद्योग मंत्री , सुरेश प्रभु केन्द्रीय सड़क परिवहन मंत्री, नितिन गडकरी केन्द्रीय लघु उद्योग राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार), गिरिराज सिंह केन्द्रीय संचार राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), श्री मनोज सिन्हा केन्द्रीय खाद्य प्रसंस्करण मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती हरसिमरत कौर केन्द्रीय ऊर्जा राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार), राजकुमार सिंह केन्द्रीय वस्त्रोद्योग मंत्री, श्रीमती स्मृति इरानी केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्यमंत्री, श्रीमती अनुप्रिया पटेल केन्द्रीय पर्यटन सचिव, सुश्री रश्मि वर्मा केन्द्रीय पर्यावरण राज्य मंत्री, डा. महेश शर्मा केन्द्रीय गृह मंत्री राजनाथ सिंह और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ केन्द्रीय सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री रविशंकर प्रसाद केन्द्रीय वित्त मंत्री, अरूण जेटली केन्द्रीय वाणिज्य एवं उद्योग राज्यमंत्री, सीआर चौधरी केन्द्रीय रक्षा मंत्री, श्रीमती निर्मला सीतारमण केन्द्रीय कौशल विकास मंत्री, धर्मेन्द्र प्रधान विज्ञान एवं तकनीकी मंत्री, डा. हर्षवर्धन केन्द्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री, पुष्पपति अशोक गजपति राजू केन्द्रीय विदेश राज्यमंत्री, जनरल वीके सिंह (से.नि.)।

अपने आप में एतिहासिक समिट: सतीश महाना प्रदेश के औद्योगिक विकास मंत्री,सतीश महाना ने कहा है कि उत्तर प्रदेश इन्वेस्टर्स समिट के सफल आयोजन के लिये सभी व्यवस्थायें पूरी की जा चुकी हैं और निवेशकों को पहुंचना शुरू हो गया है।

इन्वेस्टर्स समिट अपने में एक ऐतिहासिक समिट है, जिसकी सराहना देश और प्रदेश के ख्याति प्राप्त उद्योगपतियों ने की है। इस समिट में भाग लेने के लिये उद्योगपति खुद ही आने के लिये उत्सुक हैं।

अरसे बाद दक्षिणी दिल्ली में चली सीलिंग की कार्रवाई

सीलिंग अभियान तेज 133 संपत्तियां सील

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजधानी में सीलिंग अभियान एक बार फिर तेज हो गया है। अरसे बाद दक्षिणी दिल्ली नगर निगम क्षेत्र में भी मंगलवार को सीलिंग की कार्रवाई चली और 40 संपत्तियां सील की गई। राजधानीभर में कुल 133 संपत्तियां सील की गई हैं।

इसमें उत्तरी दिल्ली नगर निगम क्षेत्र में सील की गयीं 76 पार्किंग भी शामिल हैं। मॉनिटरिंग कमेटी के निर्देश पर नगर निगम के दस्ते ने दक्षिणी दिल्ली नगर निगम पश्चिम एवं मध्य जोन में सीलिंग की कार्रवाई की।

मध्य जोन के साउथ एक्सटेंशन पार्ट-वन स्थित बी ब्लॉक मार्केट में 30 दुकानें सील की गयीं। इसके साथ ही बेसमेंट एवं ऊपरी फ्लोर पर चल रहीं दुकानों के बिरुद्ध कार्रवाई करते हुए सीलिंग की कार्रवाई की गयी। पश्चिमी जोन के जनकपुरी स्थित डी-2, डी-1 एवं डी-1 ए ब्लॉक में 10 स्टिल्ट पार्किंग में अनधिकृत रुप से बने 17 कमरों को सील कर दिया।

उत्तरी दिल्ली नगर निगम क्षेत्र में कुल 77 संपत्तियां सील की गयी हैं।

इसमें सिटी सदर पहाड़गंज क्षेत्र स्थित रामनगर एवं दरियागंज में 12 स्टिल्ट पार्किंग सील की गयीं हैं। इसी तरह रोहिणी के सेक्टर-8 एवं 11 में 40 स्टिल्ट पार्किंग सील की गयीं।

केशवपुरम जोन के शालीमार बाग एवं कमलानगर में 12 स्टिल्ट पार्किंग एवं एक बेसमेंट को सील किया गया है। सिविल लाइंस जोन के मुखर्जी नगर एवं मलकागंज में 12 स्टिल्ट पार्किंग सील की गयीं।

खासबात यह है कि पुलिस उपलब्ध न हो पाने की वजह से करोलबाग एवं नरेला जोन में सीलिंग की कार्रवाई नहीं हो सकी।

पूर्वी दिल्ली नगर निगम क्षेत्र में कुल 16 संबत्तियां सील की गयीं। जबकि दो संपत्तियों को तोड़ा गया है। पूर्वी दिल्ली के शाहदरा जोन स्थित आनंद विहार इलाके में अनधिकृत भू-उपयोग के चलते 14 संपत्तियां सील कर दी गयीं। भारी पुलिस बल की मौजूदगी में सीलिंग की कार्रवाई चली।

यह सभी संपत्तियां सूरजमल विहार, सूर्या निकेतन, श्याम इंकलेव एवं शरद विहार इलाके की हैं।

इसके साथ ही पाण्डव नगर इलाके की बी-48, सी-67 को सील किया गया और जितार नगर एवं जगतपुरी में भवन संख्या 20, 21 एवं 9/21 को निगम दस्ते से ढ़हा दिया।

शिकोहाबाद के गांव में तेंदुए की दस्तक से फैली दहशत

आगरा (एजेंसी)। फिरोजाबाद जिले के शिकोहाबाद के कटोरा गांव में तेंदुआ देखे जाने के बाद दहशत का माहौल है। तेंदुए को भगाने के लिए लाठी-डंडों के साथ ग्रामीण सुबह से ही खेतों में डेरा डाले हुए हैं।

गांव कटोरा में सुबह खेतों पर गए किसानों ने एक तेंदुए को देखा। लंबी कद-काठी के तेंदुआ को देखकर ग्रामीणों के होश उड़ गए। पशुओं के चारा बर्सी के खेत में तेंदुआ को बैठे देखा गया था। एक दर्जन से अधिक ग्रामीणों ने लाठी-डंडों से उसकी ओर बढ़ना शुरू किया तो वह सरसों के खेत में घुस गया।

ग्रामीणों ने पुलिस को भी इसकी सूचना दी। इसके बाद डायल 100 की पुलिस टीम मौके पर पहुंच गई। पिछले कई घंटे से ग्रामीण तेंदुए को खेत से निकालने के लिए हंगामा, पटाखे चलाने के साथ ही लाठी-डंडों के साथ खेतों में घूम रहे हैं। फिलहाल तेंदुआ नहीं मिला है। वहीं ग्रामीणों का कहना है कि यह हमलावर हुआ तो लोगों के साथ अप्रिय घटना कर सकता है। इसलिए वे चाहते हैं कि इसे जल्दी से पकड़ा जाए।

जयमाल हुआ, सात फेरे हो गए पर कलेवा

उन्नाव (एजेंसी)। जयमाल हो गया, सात फेरे हो गए पर कलेवा में ऐसा क्या हुआ कि लड़की के मां-बाप ने बेटी विदा करने से इनकार कर दिया।

यही नहीं हुआ पूरी बारात को बंधक बना लिया गया और तीन घंटे बाद तब छोड़ा जब दहेज का पूरा सामान वापस मंगवा लिया।

बछरावां, रायबरेली से बारात उन्नाव में शुक्लागंज के शक्तिनगर टिंकू कश्यप के यहां आई थी। बारात का खूब स्वागत किया गया, रात में जयमाल के बाद सात फेरे भी हुए। सारी रात हंसी-खुशी कार्यक्रम चले। तड़के विदाई से पहले कलेवा चल रही थी इसी दौरान लड़के को मिर्गी का दौरा पड़ गया।

इससे हंगामा मच गया, लड़की वालों ने कहा लड़के की बीमारी छिपाई गई। ऐसे में लड़की के माता-पिता ने ऐसे लड़के के साथ बेटी की विदाई से इनकार कर दिया।

लड़की पक्ष के लोगों ने बारातियों को बंधक बना लिया और दहेत का सामान वापस मांगा। लड़के वाले रायबरेली जाकर तीन घंटे में दहेज का सामान वापस लाए तब बारातियों को मुक्त किया गया। लड़की की मां ने रो-रो कर बताया कि उनके साथ धोखा हुआ है, समय रहते पोल न खुलती तो बेटी बीमार लड़के के साथ चली जाती और फिर जिंदगी भर के लिए परेशान होती। इस धोखे और शादी तोड़ने पर लड़की का पूरा परिवार बहुत दुखी है।

»» आईएएस, दानिक्स व दास तीनों एसोसिएशन के निशाने पर केजरीवाल

केजरीवाल मांगें माफी, आईएएस एसोसिएशन के निशाने पर सीएम

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुख्यसचिव से कथित हाथापाई की घटना मुख्यमंत्री के समक्ष उन्हीं के आवास पर घटी, इसलिए आईएएस एसोसिएशन के साथ दानिक्स व दास एसोसिएशन मुख्यमंत्री से माफी मांगने की मांग पर अड़ गया है। मंगलवार शाम फैसला लिया गया कि तीनों एसोसिएशन के प्रतिनिधि बुधवार दस बजे दिल्ली सचिवालय में एकत्र होकर बैठक करेंगे।

तीनों एसोसिएशन के प्रतिनिधि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल से मुख्य सचिव से माफी मांगने का दबाव बनाएंगे।

बुधवार सुबह तीनों एसोसिएशन की संयुक्त बैठक से माहौल गर्म हो जाएगा। दूसरी ओर आईएएस ऑफिसर एसोसिएशन ऑफ अरुणांचल प्रदेश की सचिव साधना डेओरी व द पंजाब आईएएस ऑफिसर्स एसोसिएशन के प्रेसिडेंट केबीएस सिद्धू ने भी इस घटना की कड़े शब्दों में निंदा की है।

तीनों एसोसिएशन ने मंगलवार शाम संयुक्त बयान में कहा कि मुख्यमंत्री इस मामले को स्वीकार कर माफी मांगे। साथ ही दोषी विधायकों पर कड़ी कार्रवाई की जाए।

अधिकारी राजनीतिक बॉस से लगातार संपर्क रखेगा।

तीनों एसोसिएशन ने साफ कर दिया कि सरकार गलत बयानबाजी न करे कि बैठक गरीबों को राशन कार्ड देने के मसले पर बुलाई गई थी।

केन्द्रीय सिविल एंड एडमिनिस्ट्रेटिव सर्विस एसोसिएशन ने दिल्ली सरकार के अधिकारियों के समर्थन में कहा कि यह घटना दुर्भाग्यपूर्ण है।

यह हमला सिर्फ शीर्ष अधिकारी पर शारीरिक हमला ही नहीं है बल्कि संस्थान को डैमेज करने वाला व नौकरशाही द्वारा स्वतंत्र रूप से काम करने की व्यवस्था पर हमला है। इस घटना के दोषी को कड़ी सजा मिलनी चाहिए अन्था प्रशासनिक काम ठप्प हो सकता है।

»» मुख्य सचिव को न्याय मिलेगा : गृहमंत्री

गृहमंत्री से मिले आईएएस एवं दानिज़्स अधिकारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुख्य सचिव अंशु प्रकाश के साथ सोमवार देर रात मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल के सरकारी आवास पर आम आदमी पार्टी के विधायकों द्वारा कथित मारपीट के विरोध में भारतीय प्रशासनिक सेवा एवं दानिक्स अधिकारियों ने मंगलवार को केंद्रीय गृहमंत्री राजनाथ सिंह से मुलाकात कर आरोपी विधायकों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की।

सूत्रों की मानें तो केंद्रीय गृहमंत्री ने भी मुख्य सचिव को कार्रवाई का आश्वासन दिया है और उप-राज्यपाल से रिपोर्ट देने को कहा है। इस घटना से नाराज दिल्ली प्रशासनिक अधीनस्थ सेवा संघ के अध्यक्ष डीएन सिंह ने कहा कि जब तक आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई नहीं होती, वह काम नहीं करेंगे। आईएएस एवं दानिक्स अफसरों ने केंद्रीय गृहमंत्री के सामने अपना पक्ष रखा। अफसरों की बात सुनने के बाद पूरे घटनाक्रम पर केंद्रीय गृहमंत्री राजनाथ सिंह ने चिंता जताते हुए आास्त किया कि मुख्य सचिव के साथ न्याय किया जाएगा, इसके लिए उन्होंने उप-राज्यपाल से रिपोर्ट मांगी है। मुलाकात के बाद बाहर आकर संघ के अध्यक्ष डीएन सिंह ने नाराजगी जताते हुए कहा कि आरोपियों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई होनी चाहिए तभी वह काम कर पाएंगे। संघ की सचिव मनीषा सक्सेना ने नाराजगी जताते हुए कहा कि केवल माफी से काम नहीं चलेगा, वह आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई चाहते हैं। इस मामले में गृहमंत्रालय ने कहा कि यदि इस मामले में कोई शिकायत दर्ज कराई जाती है तो पुलिस सबूतों के आधार पर कार्रवाई का निर्णय लिया जाएगा।

पटपड़गंज में पटपड़गंज में बैटरी बनाने की फैक्टरी में भीषण आग

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजधानी में पूर्वी दिल्ली के पटपड़गंज औद्योगिक क्षेत्र में मंगलवार दोपहर बैटरी बनाने की एक फैक्टरी में भीषण आग लग गई। उप मुख्य अग्निशमन अधिकारी सुनील चौधरी ने बताया है कि आग लगने की सूचना दोपहर करीब 12:30 बजे मिली। तत्काल मौके पर अग्निशमन की 15-16 गाड़ियों को भेजा गया। दमकलकर्मियों ने दो घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया। चौधरी ने कहा कि पटपड़गंज औद्योगिक क्षेत्र में जिस फैक्टरी में आग लगी थी उसमें बैटरी बनाने का काम होता था। देखते ही देखते आग फैक्टरी की तीनों मंजिल पर फैल गई। आग लगने के कारणों का फिलहाल पता नहीं चल सका है। हादसे में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है।

मारपीट की बात गलत, सिर्फ जुबानी जंग हुई : आप

नई दिल्ली (एजेंसी)। आप ने दिल्ली सरकार के मुख्य सचिव अंशु प्रकाश के साथ मारपीट के आरोप को सिरे से खारिज किया है। आप प्रवक्ता सौरभ भारद्वाज का दावा है कि चीफ सेक्रेटरी (सीएस) के साथ किसी ने मारपीट नहीं की बल्कि जवाबदेही को लेकर विधायकों के साथ जुबानी जंग हुई थी। आप प्रवक्ता सौरभ भारद्वाज ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि सीएस अंशु प्रकाश के साथ सोमवार देर रात मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के आवास पर एक बैठक के दौरान पार्टी विधायकों की तकरार हुई थी। बैठक में जो कुछ भी हुआ वह सीएस की गलत बयानी का नतीजा था। भारद्वाज ने कहा कि दिल्ली में राशन वितरण की व्यवस्था में खामियों के कारण लोगों को हो रही परेशानी के बारे में मुख्यमंत्री द्वारा पूछे जाने पर सीएस अंशु प्रकाश ने कहा कि उनकी जवाबदेही विधायकों या सरकार के प्रति नहीं बल्कि उपराज्यपाल के प्रति है।

इस पर बैठक में मौजूद आप विधायकों ने नाराजगी जरूर जतायी, लेकिन उनके साथ मारपीट का आरोप गलत है। सीएस पर आप ने लगाए गंभीर आरोप : भारद्वाज ने उलटा सीएस अंशु प्रकाश पर अनुसूचित जाति के विधायकों को जातिसूचक शब्द कह कर अपमानित करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि सरकार को सीएस नुकसान पहुंचाना चाह रहे हैं।

कल उनकी गरमागरमी भी हुई, इसके प्रतिउत्तर में वह सोच-समझ कर इस तरह के आरोप लगा रहे हैं। अन्यथा उन्हें उसी समय पुलिस के पास जाना चाहिए था।

ऐसा करने के बजाय घटना के 14 घंटे बाद उनका आईएएस संघ को बुलाकर इस तरह के आरोप लगाना उनकी मंशा पर सवाल खड़े करता है। केंद्र सरकार पर फोड़ा ठीकरा : भारद्वाज ने इससे पहले भी प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा दिल्ली सरकार के काम में अड़ंगा लगाने की घटनाओं का जिक्र करते हुए इसके पीछे केन्द्र सरकार के अफसरों को प्रोत्साहित करने का आरोप लगाया है।

उन्होंने कहा कि ऐसे अधिकारियों को केन्द्र सरकार पदोन्नति देकर और अन्य तरीकों से पुरस्कृत करती है, जिससे अधिकारी वर्ग निर्वाचित सरकार की लगातार नाफरमानी कर रहा है।

राशन वितरण व्यवस्था को लेकर बुलाई गई थी मीटिंग:

घटना के बारे में भारद्वाज ने बताया कि दिल्ली में राशन कार्ड को आधार सेलिंक करने की नई व्यवस्था कायम करने की प्रक्रिया के कारण राशन वितरण नहीं हो पाने से लोगों को हो रही परेशानी को लेकर सोमवार शाम मुख्यमंत्री आवास पर बैठक बुलाई गई थी। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री नई व्यवस्था में तकनीकी खामियों के कारण हो रही दिक्कत के मद्देनजर शुरुआती कुछ महीनों तक पुरानी व्यवस्था से ही राशन वितरण करने को कह रहे हैं।

अधिकारी यह बात मानने को तैयार नहीं हैं और परेशान जनता विधायकों पर अपना गुस्सा उतार रही है।

सार समाचार

मारपीट की खबर पर मामला संभालने पहुंची पुलिस लेकिन उल्टे अपनी जान बचाकर भागे

अलीगढ़ (एजेंसी)। परिवार के विवाद की सूचना पर पहुंचे पुलिसकर्मी ही मुसीबत में पड़ गए जब आपस में झगड़ रहे एक परिवार के लोगों ने पुलिस के पहुंचने पर उसी पर हमला कर दिया। मारपीट के दौरान इंस्पेक्टर से भी मारपीट कर वर्दी फाड़ दी गई। वहीं आरोप है कि इंस्पेक्टर से रिवॉल्वर छिनने का भी प्रयास किया। बमुश्किल पुलिसकर्मियों ने अपनी जान बचाई। मारपीट की सूचना पर क्वार्सी पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। कायमपुर क्षेत्र निवासी सावित्री देवी पत्नी निरंजन लाल ने बेटों पर मारपीट का आरोप लगाते हुए डायल 100 पर फोन कर सहायता मांगी। पुलिस जब वहां पहुंची तो उसके नाती और बेटे पुलिस पर हावी हो गये और मारपीट कर दी। इस मामले में दरोगा की ओर से तहरीर पर मुकदमा दर्ज किया जा रहा है। फिलहाल आरोपी फरार हैं।

गोली मार हवलदार ने की खुदकुशी

नई दिल्ली। उत्तर पश्चिमी दिल्ली के किंग्जवे कैंप स्थित राजन बाबू टीबी अस्पताल में तैनात एक हवलदार ने मारकर खुदकुशी कर ली। पुलिस को घटनास्थल से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने हवलदार की सर्विस रिवाल्वर जब्त कर ली है। मृत हवलदार का नाम राजेन्द्र है। मृतक राजेन्द्र सपरिवार बदरपुर इलाके में रहता था और इन दिनों उसकी तैनाती विकासपुरी की थर्ड बटालियन में थी। पुलिस को मंगलवार शाम पौने चार बजे हवलदार द्वारा खुद गोली मार लेने की सूचना मिली थी। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल हवलदार को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस के मुताबिक राजन बाबू अस्पताल की पहली मंजिल स्थित 11 नम्बर वार्ड में दो बेड के बीच हवलदार राजेन्द्र खून से लथपथ हालत में पड़ा मिला था और पास ही उनकी सर्विस रिवाल्वर पड़ी थी। गोली राजेन्द्र ने कनपटी से सटा कर खुद को मारी थी। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक गोली कनपटी के दूसरी तरफ से निकलकर खिडकी के शीशे पर लगी थी। पुलिस ने घटना की सूचना राजेन्द्र के परिजनों को दी। पुलिस उपायुक्त असलम खान के मुताबिक राजेन्द्र एक कैदी की सुरक्षा में तैनात था।

पुलिस टीम पर फायरिंग कर भागा बदमाश

दक्षिण पूर्व जिला पुलिस ने यूपी के अमरोहा में दिल्ली और यूपी पुलिस पर फायरिंग कर फरार हुए बदमाश को गिरफ्तार कर उससे पिस्टल बरामद की है। पुलिस के मुताबिक नवाब कुरैशी नामक बदमाश को खुर्जा छोटा हकीम चौक से पकड़ा गया। पूछताछ में पता चला है कि तीस वर्षीय नवाब कुरैशी बारह अपराधिक मामले में लिप्त रहा है। पुलिस उपायुक्त चिन्यम बिश्वाल के मुताबिक 29 जनवरी को हथियार के बल पर बदमाश एक कार दक्षिण पूर्व जिले से लूट ले गए थे। इसकी सूचना मिलने पर सब इंस्पेक्टर राजेन्द्र डागर अपनी टीम के साथ बदमाशों को पकड़ने के लिए अमरोहा तक पहुंच गए और स्थानीय पुलिस से मदद लेकर बदमाशों को पकड़ने की कोशिश की। धरपकड़ के दौरान बदमाशों की गोली यूपी पुलिस के एक कांस्टेबल को लगी जबकि, एक गोली बदमाश गिरोह के अब्दुल सद्दाम को भी लगी। हालांकि इस बीच अन्य बदमाश मौके से फरार हो गए। पुलिस ने घायल आरोपी को इलाज के लिए अमरोहा के एक अस्पताल में भर्ती कराया, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद यूपी पुलिस ने गिरफ्तार कर उसे मुरादनगर जेल भेज दिया। 17 फरवरी को पुलिस अब्दुल सद्दाम को प्रोडक्शन वारंट पर दिल्ली ले आई। इस बीच सोमवार को पता चला कि फरार नवाब कुरैशी अपने घर व खुर्जा आने वाला है। सूचना पर दिल्ली पुलिस ने उसे भी धर दबोचा।

किराए में बढ़ोतरी के खिलाफ छात्रों का मेट्रो भवन पर प्रदर्शन

नई दिल्ली (एजेंसी)। दो चरण में दिल्ली मेट्रो के किराए में लगभग दोगुनी बढ़ोतरी के खिलाफ मंगलवार को ऑल इंडिया डेमोक्रे टिक स्टूडेंट्स ऑर्गेनाइजेशन की दिल्ली राज्य कमेटी के तत्वावधान में डीएमआरसी मुख्यालय, मेट्रो भवन के समक्ष विरोध प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शनकारी बाराखम्बा रोड मेट्रो स्टेशन के पास एकत्रित होकर मेट्रो भवन के तक गए और वहां आमसभा की। प्रदर्शन में विभिन्न कॉलेज, विविद्यालय व इलाकों से छात्रा, महिलाएं, युवा व काम करने वाले लोग शामिल हुए। आंदोलन को समर्थन देने के लिए ऑल इंडिया महिला सांस्कृतिक संगठन, ऑल इंडिया डेमोक्रेटिक यूथ ऑग्रेनाजेशन व ऑल इंडिया यूनाइटेड ट्रेड यूनियन सेंटर के सदस्य भी धरना-प्रदर्शन में शामिल हुए।

सच्चे मित्र हीरे की तरह कीमती और दुर्लभ होते हैं, झूठे दोस्त पतझड़ की पत्तियों की तरह हर जगह मिलते हैं -अरस्तू

फर्जी दस्तावेज

पंजाब नेशनल बैंक-मेहुल चौकसी-नीरव मोदी घपले पर रुदन चल ही रहा है कि रोटोमैक पैन से जुड़े कोठारी परिवार के करीब 3,700 करोड़ रुपये के घपले के समाचार आ रहे हैं। फर्जी दस्तावेज से अरबों रुपये सरकारी बैंकों से लिये गए हैं। इन बैंकों की सूची में सबसे ऊपर बैंक ऑफ इंडिया है, जिसने करीब 755 करोड़ रु पये दिए हैं बतौर कर्ज। 2008 से कोठारी कुनबे को दिए गए कजरे में गड़बड़ियां चल रही हैं। कर्ज कोई और वजह बताकर लिया गया और उसे कहीं और लगा दिया गया। जो सरकारी बैंक अपने दफ्तरों में पैन तक बांध कर रखते हैं, उनके खजाने बेईमान कारोबारियों के लिए खुले रहे। जाहिरन यह सब किन्हीं ठोस वजहों से हुआ होगा। भ्रष्टाचार व निकम्मापन भी इन वजहों में शामिल हैं। खैर, सवाल है कि रोटोमैक के कोठारी कुनबे को दिए गए कजरे में गड़बड़ियों को किसी सत्र पर पकड़ा क्यों नहीं जा सका। करीब दस सालों तक अंकेक्षण की त्रिस्तरीय व्यवस्थाओं के बावजूद ये गड़बडियां पकड़ में क्यों ना आ पाई। हर बैंक में आंतरिक अंकेक्षक होते हैं, जिनका काम पड़ताल करना होता है कि सब खाता-बही हिसाब-किताब तय मानकों के हिसाब रखा जा रहा है, या नहीं। फिर बैंकों का सालाना अंकेक्षण बाहरी अंकेक्षक द्वारा भी किया जाता है। सुनिश्चित करने के लिए सब कुछ नियमों के हिसाब से हो रहा है, या नहीं। रिजर्व बैंक भी अपने स्तर पर जांच पड़ताल करता है कि बैंकों में नियमों का पालन हो रहा है, या नहीं। तीनों स्तर पर धरपकड़ ना हो पाई। आखिर, अंकेक्षक कर क्या रहे थे? आर्थिक सर्वेक्षण 2015-16 ने बैंकों के डूबत कजरे से निपटने के लिए चार आर की बात की थी- रिकग्निशन यानी पहचान, रिकैपिटलाइजेशन यानी पुनपरूजीकरण, रिजोल्यूशन यानी निपटारा और रिफॉर्म यानी सुधार। इन चार का आशय है कि पारदर्शिता के साथ जो डूबत कर्ज हैं, उन्हें डूबत मान लिया जाए, लीपापोती ना की जाए। बैंकों को नई पूंजी दी जाए। कजरे का निपटारा किया जाए, हिसाब-किताब निपटाया जाए। पूरी व्यवस्था में सुधार किया जाए। इन चार की महत्ता फिर से रेखांकित हो गई है हालिया घोटालों से। जरूरी है कि इनमें एक और आर यानी रेगुलेशन भी जोड़ा जाए। रिजर्व बैंक से भी पूछा जाए कि यह सब चल कैसे रहा था? चोर जब नये-नये तरीकों से चोरी करने में जुटे हुए हैं, तो उन्हें नियंतग्र करने के नये-नये तौर-तरीके ईजाद क्यों नहीं किएजा रहे? रिजर्व बैंक को इस सवाल का जवाब जल्द-से-जल्द देना चाहिए।

रोडरेज की वारदात

पिछले दिनों बीफ या गोमांस खाने और न खाने को लेकर उठे गंभीर विवादों के संदर्भ में उपराष्ट्रपति एम. वेंकैया नायडू का विचार राजनीतिक, सामाजिक और सांस्कृतिक दृष्टि से काफी महत्त्व रखता है, और इसीलिए इसके अर्थ को समझने की जरूरत भी है। उनका विास है कि किसी भी व्यक्ति की यदि गोमांस खाने की इच्छा है तो वह बेशक खा सकता है। लेकिन किसी स्कूल, कॉलेज या विविद्यालय में बीफ फेस्टिवल आयोजित करना बेतुका है। ऐसे आयोजन से दूसरों के लिए समस्याएं पैदा हो सकती हैं। उप राष्ट्रपति के उपरोक्त विचार से असहमत होने का कोई कारण नहीं हो सकता। यह तय है कि भारतीय संविधान में नागरिकों के लिए मौलिक अधिकारों का प्रावधान है। लेकिन इसका यह अर्थ नहीं है कि अपने अधिकारों का इस्तेमाल करते हुए दूसरे के अधिकारों का अतिक्रमण किया जाए। इसीलिए, संविधान प्रदत्त नागरिकों के मौलिक अधिकार स्वछंद और असीमित नहीं हैं। यदि कोई नागरिक किसी दूसरे के मूल अधिकारों का अतिक्रमण करने की कोशिश करता है, तो राज्य उसकी रक्षा के लिए अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का नियमन कर सकता है। फर्ज कीजिए कि कोईशाकाहारी है और उसी का पड़ोसी मांसाहारी हो तो इसमें अचंभा और हैरानी जैसी कोई बात नहीं है। हैरानी और परेशानी तब पैदा होगी जब उसी इलाके में उसका पड़ोसी बीफ फेस्टिवल आयोजित कर दे। इससे शाकाहारी व्यक्ति की भावनाएं आहत हो सकती हैं। कुछ राज्यों में बीफ खाने या बेचने पर कोईप्रतिबंध नहीं है, जबकि उत्तर प्रदेश, बिहार, गुजरात, तमिलनाडु, हरियाणा और महाराष्ट्र में यह प्रतिबंधित है। उप राष्ट्रपति न तो खान-पान की संस्कृति की आजादी का नियमन करने के पक्षधर हैं, और न सहमति के अधिकार का नियमन करने का समर्थन करते हैं। वह अभिव्यक्ति की आजादी के नाम पर देश की संप्रभुता और अखंडता से खिलवाड़ करने वाली प्रवृत्तियों के विरोधी हैं। उनकी नजर में अफजल गुरु की तारीफकरने वाले, जेएनयू में देशविरोधी नारे लगाने वाले और बीफ फेस्टिवल आयोजित करने वाले देशद्रोही हैं।

सत्संग

व्यक्तित्व

ज्यादातर लोगों ने अपने व्यक्तित्व का बड़ा हिस्सा अनजाने या कहें अपनी अचेतनता में बनाया हुआ है। जब आप पंद्रह या सोलह साल के थे, तो अक्सर ऐसा होता था कि किसी फिल्म को देखने के बाद आप अनजाने ही उसके हीरो की तरह चलना या उठना-बैठना शुरू कर देते थे। जब मैं स्कूल में था, तो मेरे साथ एक लड़का पढ़ता था। स्कैच बनाने में उसका बड़ा अच्छा हाथ था। हमारे भूगोल के शिक्षक बड़े गुस्सैल थे। एक बार उस लड़के ने ब्लैकबोर्ड पर उनका एक कार्टून बना दिया। इसे काफी विकृत किया गया था लेकिन हर कोई पहचान सकता था कि वह किसका है। उस दिन वह क्लास में आए तो गुस्से में थे, इस कार्टून ने उनका पारा और चढ़ा दिया। उन्होंने पूछा ''किसकी है यह करतूत?' जैसा कि होना था हर बच्चा भूगोल की किताब में ऐसे व्यस्त हो गया जैसे कि सबको भूगोल पढ़ना पसंद हो! लग रहा था कि किसी को इसके बारे में कुछ पता ही न हो। शिक्षक ने फिर पूछा। अंत में एक बच्चा खड़े होकर बोला ''हमें वाकई नहीं पता, लेकिन हां जिसने भी किया है, उसके माता-पिता इसके लिए जिम्मेदार हैं।' इस शरारत के लिए जिसे आप ''मैं' कहते हैं, आपके माता-पिता जिम्मेदार नहीं हैं। आप खुद हैं। जीवन के साथ आपको जबर्दस्त संभावनाएं हासिल हुई थीं, लेकिन उन्हें इतनी छोटी-सी संभावना में विकृत करके आपने बड़ा अपराध किया है। आपका व्यक्तित्व जो एक कार्टून है, वह आपकी मदद के बिना एक दिन के लिए भी नहीं टिक सकता। आपको हर वक्त इसे सहारा देना होगा। ध्यान का मतलब भी एक तरह से यही है, आप अपने व्यक्तित्व से इस सहारे को छीन रहे हैं। अचानक यह बिखर जाता है, और फिर केवल उपस्थिति रह जाती है, व्यक्ति गायब हो जाता है। कभी लोगों से एक अलग तरीके से मिलकर देखिए। मसलन, जिस व्यक्ति से आप मिल रहे हैं, उसके हिसाब से उस वक्त जैसा व्यक्तित्व जरूरी हो, वैसा ओढ़ लीजिए। ऐसा करके रोज एक नया कार्टून बनाने का मौका मिलेगा जो अपने आप में मजेदार होगा। लेकिन एक बार किसी खास विकृति (व्यक्तित्व) में अगर उलझ गए तो बड़ी समस्या हो जाएगी। अगर आप रोजाना एक नई विकृति (व्यक्तित्व) पैदा कर लेते हैं, तो इसे कला कहा जाएगा। अगर एक ही विकृति में उलझे रह गए तो पंगु बन जाएंगे। यही बड़ा अंतर है।

''सबका साथ-सबका विकास'

भारत में 16वीं लोक सभा के नवनिर्वाचित सदस्यों में जब भोजपुरी भाषी सांसद मनोज तिवारी ने भोजपुरी में शपथ लेना चाहा तो इजाजत नहीं मिली। इसी तरह राज्य सभा में राजीव प्रताप रूढ़ी ने भोजपुरी में पद और गोपनीयता की शपथ लेने की कोशिश की तो उन्हें भी निराशा हाथ लगी। दोनों स्थितियां भोजपुरी के प्रति दो देशों की भावनाओं को प्रतिबिंबित कर रही हैं। भोजपुरी में वर्तमान में दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली भाषा है। बावजूद इसके अपने मूल परिवेश में ही सरकारी उपेक्षा की शिकार है। ऐसा नहीं है तो फिर गत वर्ष बिहार सरकार द्वारा भोजपुरी को संवैधानिक हक देने के लिए भेजे गए।

सतीश पेडणोकर

नेपाल के नवनिर्वाचित संसदों ने अपनी मातृभाषा में शपथ ली। नेपाल की 107 सदस्यीय संसद में 47 सदस्यों ने मैथिली, 25 ने भोजपुरी और 11 ने हिन्दी में शपथ ली जबकि नेपाली में शपथ लेने वाले 24 सदस्य ही थे। भारत में 16वीं लोक सभा के नवनिर्वाचित सदस्यों में जब भोजपुरी भाषी सांसद मनोज तिवारी ने भोजपुरी में शपथ लेना चाहा तो इजाजत नहीं मिली। इसी तरह राज्य सभा में राजीव प्रताप रूढ़ी ने भोजपुरी में पद और गोपनीयता की शपथ लेने की कोशिश की तो उन्हें भी निराशा हाथ लगी। दोनों स्थितियां भोजपुरी के प्रति दो देशों की भावनाओं को प्रतिबिंबित कर रही हैं। भोजपुरी में वर्तमान में दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली भाषा है। बावजूद इसके अपने मूल परिवेश में ही सरकारी उपेक्षा की शिकार है। ऐसा नहीं है तो फिर गत वर्ष बिहार सरकार द्वारा भोजपुरी को संवैधानिक हक देने के लिए भेजे गए प्रस्ताव पर केंद्र सरकार द्वारा किसी भी तरह की पहल करने की कोई सूचना नहीं है। गौरतलब है कि 2 मार्च, 2017 को बिहार सरकार ने भोजपुरी को द्वितीय भाषा का दरजा दिया। वहीं झारखंड सरकार ने भी इसे द्वितीय भाषा का दरजा देने का संकल्प जाहिर किया है। वहीं, दूसरी ओर मॉरीशस सरकार ने 2011 में भोजपुरी को संवैधानिक मान्यता दी और वहां सभी 250 सरकारी हाई स्कूलों में भोजपुरी के पठन-पाठन की व्यवस्था की है।

कहना न होगा कि मॉरीशस सरकार की पहल पर ही भोजपुरी ''गीत-गवनई' को विश्व सांस्कृतिक विरासत का दरजा यूनेस्को द्वारा दिया गया है। दूसरी ओर भारत सरकार भोजपुरी को संवैधानिक मान्यता तो नहीं दे रही है, लेकिन भोजपुरी कलाकारों/साहित्यकारों को पद्म पुरस्कारों से सम्मानित कर भोजपुरी के प्रति अपनी सद्-इच्छाओं को जरूर जाहिर कर रही है। बीते साल केंद्र सरकार की ही पहल पर दिल्ली में भोजपुरी फिल्म समारोह का आयोजन संस्कृति मंत्रालय द्वारा किया गया। इससे जाहिर होता है कि ''सबका साथ-सबका विकास' के मूल मंत्र के साथ काम कर रही सरकार भोजपुरी कला का सम्मान तो कर रही है, लेकिन भोजपुरी भाषा को लेकर उसने अभी कोई ठोस पहल नहीं की है। सरकारी मान्यता नहीं होने से भोजपुरी भाषी करोड़ों बच्चे अपनी मातृभाषा में ''भारत वाणी पोर्टल और एप्प'' जैसे नवाचारों का लाभ उठाने से वंचित हैं। गौरतलब है कि भारतवाणी पोर्टल और एप्प के माध्यम से संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल 22 भाषाओं में शिक्षण सामग्री एवं ऑडियो-विजुअल पाठ्य उपलब्ध कराया जा रहा है। अप्रैल, 2017 में किए गए एक अध्ययन में यह सामने आया कि 2021 तक देश में 75 प्रतिशत लोग अपनी मातृ-भाषाओं में इंटरनेट प्रयोग कर रहे होंगे और अगले 5 वर्षो में इंटरनेट पर आने वाले 10 में से 9 लोग भारतीय भाषा में इंटरनेट प्रयोग करना चाहेंगे। यह सर्वविदित है कि मातृभाषा में प्राप्त ज्ञान सुगम्य होता है। इसकी स्मृतियां लंबे समय तक हमारे मन-मस्तिष्क में मौजूद रहती हैं। यूनेस्को ने इस संबंध में एक रिपोर्ट प्रकाशित की है। इसमें उल्लेखित है, ''मातृभाषा के माध्यम से प्राथमिक शिक्षा प्राप्त करना प्रत्येक बच्चे का मूलभूत अधिकार है।' बावजूद इसके हिन्दी के बाद देश-विदेश में सबसे अधिक बोली जाने वाली भोजपुरी को इस ''भारतवाणी' कार्यक्रम में शामिल नहीं किया गया है। नतीजतन, करीब 20 करोड़ भोजपुरी भाषी लोगों के लिए उनकी मातृभाषा में कोई पाठ्य सामग्री मौजूद नहीं है। ऐसा कर हमारी सरकार यूएन चार्टर के दिशा-निर्देशों का पालन नहीं कर रही है। अभी हाल ही में उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू ने कहा, ''चूंकि देश की अधिकांश आबादी हिन्दीभाषी है, इसलिए हिन्दी सीखना जरूरी है, लेकिन उससे पहले हमें अपनी मातृभाषा सीखने की जरूरत है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि हर कोई अंग्रेजी सीखने की तरफरुख कर रहा है क्योंकि यह रोजगार की गारंटी देती है। इसलिए मैं देश को अपनी मातृभाषा को सीखने और बढ़ावा देने की बात कहना चाहता हूं'। ऐसे में सवाल यह कि भोजपुरी भाषियों के साथ ऐसी हकमारी क्यों की जा रही है? वह भी एक ऐसे दौर में जब केंद्र में सत्तारूढ़ भाजपा हमेशा से भारतीय भाषाओं की पैरोकार रही है। कहना न होगा कि पूर्व में मैथिली, संथाली, बोडो और कोंकणी को पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के ही कार्यकाल में आठवीं अनुसूची में शामिल किया गया था। आज संसद के भीतर भोजपुरी की ताकत दिखती है, भोजपुरी के प्रति सम्मान दिखता है, भोजपुरी को संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल कराने की मांग उन क्षेत्रों से आए प्रतिनिधियों के अंदर हिलोरें मारती प्रतीत होती है। इसे नजरअंदाज करना मुश्किल है। भोजपुरी एक विशाल भूखंड की भाषा है। लिहाजा, उसकी महत्ता और विस्तार के कारण ही इसे संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल कर संवैधानिक भाषा का दरजा देने की मांग उठती रही है। 1969 से ही अलग-अलग समय पर सत्ता में आई सरकारों ने भोजपुरी भाषा को आठवीं अनुसूची में शामिल करने का आश्वासन दिया था। लेकिन दशकों गुजर जाने के बाद भी 1000 साल पुरानी, 16 देशों में फैली, देश-विदेश में 20 करोड़ से भी ज्यादा लोगों द्वारा बोली जाने वाली और भारत में हिन्दी के बाद दूसरी सबसे बड़ी भाषा भोजपुरी आज भी संवैधानिक मान्यता से वंचित है। अगर भोजपुरी को आठवीं अनुसूची में शामिल किया जाता है, तो निःसंदेह उसके सुखद परिणाम होंगे। एक तो भोजपुरी को संवैधानिक दरजा हासिल हो जाएगा। दूसरे, इससे एक क्षेत्रीय भाषा का विकास होगा। साथ ही कला, साहित्य और विज्ञान को समझने-संवारने में मदद मिलेगी। यह सर्वविदित है कि बोलियां भाषा शास्त्र की दृष्टि से भाषाएं ही हैं पर राजनीतिक नजरिए से बोलियां साबित की जाती हैं। भोजपुरी को संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल करने की मांग न तो किसी भाषा विशेष का विरोध है, और न उसे कमजोर करने की कोशिश या फिर उसे बांटने की राह है। यह मांग तो सिर्फ भोजपुरी के लिए उसकी अस्मिता, पहचान और सुविधाओं की मांग है। उम्मीद है कि ''सबका साथ, सबका विकास' के ध्येय वाक्य से प्रेरित केंद्र सरकार भोजपुरी की सुध लेगी।

चलते चलते

''कविप्रिया'

साहित्य अकादमी ने अपने परिसर में कवि सम्मेलन कराया था। न्यौता मिला तो सुखद आर्श्चय हुआ, क्योंकि साहित्य अकादमी तो कवि सम्मेलन की कविता को प्राय: साहित्य ही नहीं मानती रही है। कवि सम्मेलन में जितने श्रोता थे, अंत तक जमे रहे। सोचने लगा, लोकप्रिय क्या है? श्रोता क्या है?

रे चम्पू! इत्ती किताबन्नै लैकै कहां चलौ?-आपके पास ही आया हूं! साहित्य अकादमी ने अपने परिसर में कवि सम्मेलन कराया था। न्यौता मिला तो सुखद आर्श्चय हुआ, क्योंकि साहित्य अकादमी तो कवि सम्मेलन की कविता को प्राय: साहित्य ही नहीं मानती रही है। कवि सम्मेलन में जितने श्रोता थे, अंत तक जमे रहे। सोचने लगा, लोकप्रिय क्या है? श्रोता क्या है? वाचिक कविता और साहित्यिक कविता क्या हैं? चलो कुछ किताबें पुन: पढ़ें-पढ़ाएं! उसी परिसर में अगले दिन मध्यकालीन कविता पर शेखर सेन ने आनंद-वष कर दी। उनकी गायन-गूंज में आज रीतिकालीन कवि बिहारी की सतसई उठाई। काव्यशास्त्र का पुनर्पाठ हो, यह सोचकर मम्मट का ''काव्यप्रकाश' और केशवदास की ''कविप्रिया' भी ले आया। ''कविप्रिया' और ''काव्यप्रकाश' से अचानक निकल आई, प्रिया प्रकाश! जानते हैं न? युवा होते नायक-नायिका के नैन-सैन-संवाद का तीस सैकिंड का वीडियो है इंटरनेट पर। -हमनैं देखौ ऐ वीडियो।-अरे वाह! आपकी आंखें तो बताते हुए भी शर्मा रही हैं चचा! हर उम्र के लाखों वयस्क घायल हैं। बिहारी का दोहा सुनिए, पंद्रह सैकिंड का ही होगा, ''कहत, नटत, रीझत, खिझत, मिलत, खिलत, लजियात। भरे भौन में करत है, नैनन ही सौं बात!' इतने कम समय में, कम शब्दों से, नायक-नायिका के बीच का सारा नेत्राचार साकार कर दिया। देखिए! कहत, उसने कुछ कहा। नटत, वो नट गई। रीझत, वे रीझ गए। खिझत, वह खीझ गई। मिलत, फिर आंखें मिलीं। खिलत, मिलकर खिलीं। लजियात, और लजा गई। भरे भवन में नैनों ही नैनों में बात हो गई। वीडियो में नायिका नहीं, नायक लजा रहा है। स्कूल-कॉलेज की गतिविधियों के बीच क्या गोपन क्या ओपन! अद्भुत बिंदासात्मविास! हर दिन इस वीडियो के नये-नये संस्करण बन रहे हैं! मोदी, ट्रंप, राहुल सब टू-नॉट-टू की गोली से मारे जाते दिखाए गए हैं। चचा! पर इतना तो है कि लड़का ऐसी पहल करे तो उसे पड़ेगा पिटनोत्तर कराहना, लड़की कर रही है तो हर तरफउत्तरोत्तर सराहना! -ऐसौ नायं लल्ला। मोहिनीअट्टम कलाकार, दोऊ बालक सलौने ऐं। बिचारी छोरी जादा परेसान ऐ। सुपरीम कोट्ट में गुहार लगाय रई ऐ, चम्पू! वाय पूरी सुरच्छा मिलनी चइऐ।

फोटोग्राफी...

हज़ारों चीजों से बनाया पूरा शहर, 8 महीने लगे इसे तैयार करने में

यह फोटो किसी डेज़र्ट के बीच स्थित बहुमंजि ला इमारतों वाले किसी शहर की दिखाई देती है, लेकिन वास्त विकता यह है कि इसे माइनक्राफ्ट से तैयार कि या गया है। इसके लिए हजारों छोटे-छोटे माइनक्राफ्ट जुटाए गए और उन्हें ऐसा दिखाया कि वह शहर का आकार ले सकें। रेडिट यूज़र ओक्टो वन एमसी ने इसे अपलोड करके बताया कि उन्हें इसे तैयार करने में 8 महीने लग गए। तब जाकर वे इसे पूर्ण आकार में दिखा सके। उन्होंने लिखा कि इसे देखने के बाद उन्हें दुनियाभर से प्रतिक्रियाएं मिल रही हैं, सभी लोगों ने इसे पसंद किया है। इस 'शहर' के बारे में लोगों ने कहा कि उन्होंने इसे जूम करके देखा, एक-एक हिस्से को बहुत सफाई से सजाया गया है, वाकई यह अद्भुत है। Âreddit.com

व्यापक मिलावट और मुनाफाखोरी

विधानसभा का अनुच्छेद 21 सिर्फजीने का अधिकार ही नहीं देता बल्कि सम्मान से पूर्ण स्वस्थ रहने के साथ जीने का अधिकार देता है। लेकिन खाद्य पदार्थो में व्यापक मिलावट और मुनाफाखोरी के चलते हमारा यह अधिकार कितना सुरक्षित है, यह प्रश्न मुंह बाए खड़ा है। भारत में पौष्टिकता की दृष्टि से खाद्य पदार्थो में दूध का महत्वपूर्ण स्थान है, और उसे संपूर्ण आहार माना जाता है। दूध में मौजूद पानी, ठोस पदार्थ, वसा, लैक्टोज, प्रोटीन, खनिज, वसाविहिन ठोस और कैल्शियम बच्चों को स्वस्थ और मजबूत बनाते हैं, और इसी से देश की भावी पीढ़ी को दिशा मिलती है। वहीं, दूध में मिलावट और मुनाफाखोरी इस दौर की सबसे बड़ी समस्या बन गई है। देश का सबसे बड़ा राज्य उत्तर प्रदेश दुग्ध उत्पादन को लेकर अग्रणी है, तो मिलावटखोरी को लेकर बदनाम भी है। उत्तर प्रदेश, हरियाणा और उत्तराखंड में दूध और उससे बनने वाले उत्पादों की एक जांच में 88 प्रतिशत सैंपल मिलावटी पाए गए थे। खाद्य एवं आपूत्तर[विभाग की इस जांच में और भी कई चौंकाने वाले तय सामने आए। राजधानी दिल्ली के आसपास के इलाकों में दूध में मिलावट इतनी जानलेवा पाई गई कि 40 प्रतिशत दूध में कैल्शियम के अंश मिले ही नहीं। यही नहीं, कुछ नमूनों में डिटर्जेंट के अंश भी पाए गए। दूध में सिंथेटिक मिलावट से लीवर खराब हो सकता है, और ऐसे मामलों में इंसान फू ड प्वाइजनिंग होकर इंसान मर भी सकता है। स्वास्थ्य का अधिकार जीने के अधिकार का अनिवार्य हिस्सा है। इसे लेकर सरकार प्रारंभ से ही गंभीर रही और स्वतंत्र भारत में स्वस्थ जीवन को सर्वोच्च प्राथमिकता पर रखा गया। साल 1954 में भारत सरकार ने भोज्य पदार्थो में मिलावट की रोकथाम को लेकर खाद्य पदार्थ मिलावट विरोधी कानून पास किया था। इसमें विभिन्न खाद्य पदार्थो का मूल्यांकन निर्धारित किया गया जो अलग-अलग राज्यों के लिए भिन्न-भिन्न माने गए। बदलते दौर के साथ खाद्य पदार्थो में मिलावट की समस्या बढ़ने लगी तो कानून को और पुख्ता करने के प्रयास भी किए गए। 1963-64 के एक्ट में कुछ संशोधन किए गए और इसे कठोर बनाया गया। हरित क्रांति के युग में देश फसलों और सब्जियों के मामले में आत्मनिर्भर हुआ तो स्वास्थ्य के लिए खतरे भी बढ़ने लगे। रासायनिक खाद के उपयोग ने भोज्य पदार्थो को दूषित करना प्रारंभ किया और उसके प्रभावों से दूध भी नहीं बच सका। 1970 में ''ऑपरेशन फ्लड' की सफलता से दुनिया में दूध के उपयोग को लेकर अव्वल स्थान पर आने वाले भारत में दूध की शुद्धता चुनौती बन कर उभरी। अप्रैल, 1976 में इसमें एक और संशोधन पारित किया गया, जिसमें कठोर दंड की व्यवस्था थी। कुछ विशेष परिस्थितियों में आजीवन कारावास तक के प्रावधान भी किए गए। साल 2016 में सर्वोच्च न्यायालय ने केंद्र सरकार से साफकहा था कि मिलावट की समस्या से निपटने के लिए खाद्य सुरक्षा एवम मानक कानून एफएसएसए में संशोधन और इसे दंडनीय अपराध बनाने सहित अन्य सख्त कदमों की आवश्यकता है। सरकार ने इस कानून को कारगर भी बताया। गौरतलब है कि खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 में खाद्य पदार्थो में मिलावट करने पर उम्रकैद से लेकर 10 लाख तक जुर्माने का भी प्रावधान है। राष्ट्रीय डेयरी अनुसंधान संस्थान, करनाल के पूर्व निदेशक डॉ. ए.के.श्रीवास्तव कहते हैं कि मिलावट को रोकने के लिए व्यापारी और ग्राहक, दोनों को जागरूक करने के व्यापक कार्यक्रम चलाने की आवश्यकता है, तभी मिलावट के गोरखधंधे को रोका जा सकता है। यकीनन, इस समस्या से निपटने के लिए प्रशासन द्वारा कड़ी सतर्कता बरतने के साथ ही देश में व्यापक जनजागरण अभियान चलाने की महती जरूरत है।

मेसी ने चेल्सी के खिलाफ नौवें मैच में दागा पहला गोल

लंदन। लियोनेल मेसी आखिरकार नौवें मैच में चेल्सी के खिलाफ अपना पहला गोल दागने में सफल रहे जिससे उनकी टीम बार्सिलोना ने यह मैच 1-1 से ड्रा करवाया। पांच बार विश्व के वर्ष के सर्वश्रेष्ठ फुटबालर चुने गये मेसी इससे पहले आठ मैचों में चेल्सी के खिलाफ गोल करने में नाकाम रहे थे। उन्होंने आखिर में चेल्सी के खिलाफ 730 मिनट खेलने के बाद अपना पहला गोल किया। यह किसी प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ गोल करने के लिये उनका सबसे लंबा इंतजार है।

चेल्सी को विलियन ने शुरूआती बढ़त दिलायी थी। मेसी ने बार्सिलोना की तरफ से न सिर्फ बराबरी का गोल किया बल्कि उसे चैंपियन्स लीग राउंड आफ 16 के मुकाबले में थोड़ा बेहतर स्थिति में भी पहुंचा दिया। एक अन्य मैच में थामस मुलेर और राबर्ट लेवानडोवस्की के गोल की मदद से बायर्न म्यूनिख ने दस खिलाड़ियों के साथ खेल रहे बेसिकतास को 5-0 से करारी शिकस्त दी।

मिलोस राओनिक की डेलारे बीच ओपन टेनिस में शानदार शुरूआत

डेलारे बीच (अमेरिका)। विश्व के पूर्व नंबर तीन खिलाड़ी मिलोस राओनिक डेलारे बीच ओपन टेनिस टूर्नामेंट के पहले दौर में 6-1, 7-5 से हराकर शानदार शुरूआत की। राओनिक पिछले साल चोटों से परेशान रहे और पिछले छह महीनों में यह उनकी टूर स्तर पर केवल दूसरी जीत है। उनका अगला मुकाबला अमेरिका के स्टीव जानसन से होगा जिन्होंने जार्जिया के निकोलस बासिलाशविली को 6-3, 6-4 से पराजित किया।

एक अन्य मैच में कनाडा के ही डेनिस शापोवालोव ने आठ बार के एटीपी टूर्नामेंट विजेता इवो कार्लोविच को 7-5, 7-6 (6-4) से हराया। छठी वरीयता प्राप्त जान इसनर भी मालदोवा के रादु अलबोट को 5-7, 6-3, 6-4 से हराकर आगे बढ़ने में सफल रहे।

स्वीटी, मीना मुक्केबाजी प्रतियोगिता के सेमीफाइनल में

सोफिया (बुल्गारिया)। विश्व चैंपियनशिप की पूर्व रजत पदक विजेता स्वीटी बूरा (75 किग्रा) और मीना कुमार देवी (54 किग्रा) ने 69वें स्ट्रांडजा स्मृति टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंचकर पदक पक्के किए जबकि भारतीय मुक्केबाजों के लिए लगातार दूसरा दिन मिश्रित सफलता वाला रहा। मीना ने क्वार्टर फाइनल में इटली की ग्युलिया लमाग्ना जबकि स्वीटी ने अमेरिका की लीह कूपर को हराया। पुरुष वर्ग में पिछले सत्र के रजत पदक विजेता मोहम्मद हुसामुद्दीन (56 किग्रा) ने चीन के शू बाक्सियांग को हराया।लवलीना (69 किग्रा) भी अंतिम आठ में जगह बनाने में सफल रही। उन्होंने अमेरिका की ओसहाये जोन्स को हराया। विश्व चैंपियनशिप की रजत पदक विजेता सोनिया लाठेर (57 किग्रा) और विलाओ बासुमैत्रेयी (64 किग्रा) शिकस्त के साथ प्रतियोगिता से बाहर हो गईं। सोनिया को पहले दौर के मुकाबले में चीन की शू जिचुन ने हराया जबकि विलाओ को नार्वे की एलिजाबेथ एंगलसन ने शिकस्त दी। पुरुष वर्ग में विश्व युवा चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता नमन तंवर (91 किग्रा) बाहर होने वाले पहले भारतीय बने। उन्हें प्री क्वार्टर फाइनल में रूस के इवान सागाइदक ने हराया।

टेनिस खिलाड़ी सेरेना विलियम्स ने जब आंखों के सामने देखी मौत

लास एंजिलिस। दुनिया की दिग्गज टेनिस खिलाड़ी सेरेना विलियम्स के जीवन में पिछले साल अपने पहले बच्चे के जन्म के तुरंत बाद ऐसा भी दौर आया जब 'ब्लड क्लाट' यानि खून के थक्के जमने के कारण एक समय वह जिंदगी और मौत के बीच झूल रही थी। सेरेना ने अपनी यह व्यथा सीएनएन के साथ साझा की है जब उन्होंने अपनी बेटी ओलंपिया के जन्म के बाद उनके फेफड़े के पास खून का थक्का जमने के कारण मौत को अपने करीब से गुजरते देखा था। सेरेना ने कहा, ''मैं अपनी बेटी को जन्म देने के बाद लगभग मर गयी थी।' इस 23 बार की ग्रैंडस्लैम चैंपियन ने कहा कि बेटी के जन्म के दौरान उनके दिल की धड़कन कम होने लगी थी और आपात स्थिति में उनकी सीजेरियन सेक्सन सर्जरी की गयी। आपरेशन सफल रहा और वह यह समझ पाती इससे पहले उनकी गोद में एक खूबसूरत बच्ची थी। सेरेना ने कहा, ''लेकिन मां बनने के केवल 24 घंटे के बाद जो कुछ हुआ उससे अगले छह दिन अनिश्चितता में बीते।' जनवरी में वॉग पत्रिका के साथ साक्षात्कार में सेरेना ने कहा था कि मां बनने के बाद फेफड़े की उनकी एक या अधिक धमनियों में रक्त का थक्का जम गया था। यह पहला अवसर नहीं था जबकि 36 वर्षीय सेरेना को रक्त का थक्का जमने के कारण मौत का आभास हुआ था। इससे पहले 2011 में म्यूनिख के एक रेस्टोरेंट में गिलास टूटने से उनके पांव में चोट लग गयी थी और इसके बाद उन्हें लगभग एक साल तक फेफड़े की धमनियों में रुकावट की समस्या से जूझना पड़ा था। इस अमेरिकी खिलाड़ी ने कहा, ''इस परेशानी को लेकर मेरे पुराने रिकार्ड को देखते हुए इस स्थिति में मैं काफी डरी हुई थी।' सेरेना ने कहा कि अस्पताल में उपचार के दौरान सीजेरियन सर्जरी के बाद एक दिन उन्हें सांस लेने में तकलीफ हुई। चिकित्सकों उनका सीटी स्कैन कराया और उन्हें जीवनरक्षक प्रणाली पर रखा गया। लेकिन उनकी समस्या यहीं पर समाप्त नहीं हुई। इसके बाद वह लगातार खांसी करने लग गयी जिससे सीजेरियन के उनके घाव पर गलत असर पड़ा। सेरेना ने कहा, 'चिकित्सकों को मेरे पेट पर लाल चकता दिखा। यह मेरे फेफड़ों तक नहीं पहुंचे इसके लिये मुझे आपरेशन कक्ष में जाना पड़ा। जब मैं आखिर में घर लौटी तो मैंने छह सप्ताह बिस्तर पर बिताये।' उन्होंने अस्पताल के चिकित्सकों की भी तारीफ की। सेरेना ने कहा, ''अगर उन्होंने मेरे अच्छी तरह से देखभाल नहीं की होती तो मैं आज यहां नहीं होती।' सेरेना ने हालांकि अस्पताल के नाम का खुलासा नहीं किया।

भारत और दक्षिण अफ्रीका: बारिश के चलते चौथा टी-20 मैच रद्द

सेंचुरियन (एजेंसी)।

सेंचुरियन में भारत और दक्षिण अफ्रीका महिला क्रिकेट टीम के बीच सीरीज का चौथा टी-20 बारिश के चलते रद्द हो गया। टीम इंडिया की कैप्टन हरमनप्रीत कौर ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी चुनी है। बारिश के चलते खेल रोके जाने तक अफ्रीकी टीम ने 15.3 ओवर में तीन विकेट खोकर 130 रन बना लिए थे।

टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी साउथ अफ्रीका की टीम ने शानदारा आगाज किया। सलामी बल्लेबाज और कप्तान डेन वैन नीरेकर ने 45 गेंदों पर 3 चौके और 2 छक्कों की बदौलत 55 रनों की पारी खेली। हाफ सेंचुरी लगाते ही नीरेकर 55 रन बनाकर दीप्ति शर्मा की गेंद पर आउट हो गई। उनकी जोड़ीदार लिज़ेल ली 38 गेंद पर 58 रन बनाकर नाबाद रहीं। दोनों ने पहले विकेट के लिए 103 रनों की साझेदारी निभाई।

नीरेकर के आउट होते ही चोले ट्रायन भी जल्द ही पवेलियन लौट गई। ट्रायन का विकेट पूनम यादव ने लिया। उसके बाद सुने ल्यूस भी सिर्फ 5 रन बनाकर दीप्ति शर्मा की गेंद पर आउट हो गई।

अब केपटाउन में रहेगी सीरीज जीतने पर नजर

पहले दो टी-20 मैचों में क्रमशः सात और नौ विकेट से जीत दर्ज करने के बाद भारतीय टीम ने जोहानिसबर्ग में तीसरे मैच में दक्षिण अफ्रीका को वापसी का मौका दे दिया। दक्षिण अफ्रीका ने यह मैच पांच विकेट से जीतकर सीरीज को जीवंत बनाये रखा। वनडे सीरीज में 2-1 से जीतने वाली भारतीय टीम अब केपटाउन में खेले जाने वाले आखिरी टी-20 मैच में जीतने के इरादे उतरेगी। भारत अगर आज जीत दर्ज कर लेता है तो वह दक्षिण अफ्रीका में एक दौरे में दो सीरीज जीतने वाली पहली टीम भी बन जाएगी।

ऑस्ट्रेलिया ने जीती टी-20 त्रिकोणीय सीरीज

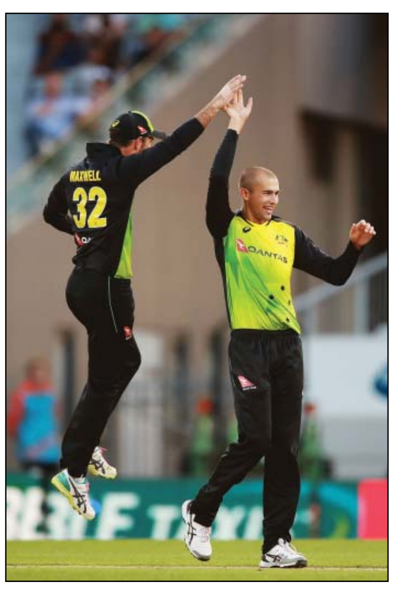

ऑकलैंड (एजेंसी)।

गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के बाद डी आर्ची शॉर्ट (50) की शानदार अर्धशतकीय पारी की मदद से ऑस्ट्रेलिया ने त्रिकोणीय टी-20 श्रृंखला के फाइनल में न्यूजीलैंड को डकवर्थ लुईस नियम के तहत 19 रन से शिकस्त दी। ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों ने अपनी छोटी बांउड्री के लिए चर्चा में रहे ईडन पार्क पर न्यूजीलैंड को नौ विकेट पर 150 रन बनाने दिए।

इसके जवाब में ऑस्ट्रेलिया ने 14.4 ओवर में तीन विकेट पर 121 रन बना लिए थे, तभी बारिश के कारण खेल रोक दिया गया, जो बाद में शुरू नहीं हो सका। जब बारिश के कारण खेल रोका गया उस समय ऑस्ट्रेलिया को डकवर्थ लुईस नियम के तहत 103 रन की आवश्यकता था। ऑस्ट्रेलिया की ओर से कप्तान डेविड वार्नर ने 25 और ग्लेन मैक्सवेल नाबाद 18 रन बनाए। आस्ट्रेलियाई गेंदबाजों ने इसी मैदान पर शुक्रवार को 243 रन लुटाये थे, लेकिन उन्होंने आज इसका बदला चुकता करते हुए कीवी बल्लेबाजों पर अंकुश लगाए रखा। बाएं हाथ के स्पिनर एशटन एगर ने 27 रन देकर तीन विकेट लिए जो उनके कॅरियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। केन रिचर्डसन और एंड्रयू टाइ ने दो-दो विकेट हासिल किए। न्यूजीलैंड के बल्लेबाजों ने लचर प्रदर्शन किया। उसकी तरफ से रोस टेलर ने 38 गेंदों पर सर्वाधिक नाबाद 43 रन बनाए। उनके अलावा कोलिन मुनरो ने 29 और पिछले मैच में शतक जडने वाले मार्टिन गुप्टिल ने 21 रन बनाए। इस मैदान की बाउंड्री भले ही छोटी हैं, लेकिन न्यूजीलैंड की तरफ से केवल पांच छक्के लगे। न्यूजीलैंड ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। पिछले मैच में 132 रन की साझेदारी करने वाले गुप्टिल और मुनरो ने फिर से तेजतर्रार शुरूआत की उन्होंने पहले विकेट के लिए 48 रन जोड़े। ऑस्ट्रेलिया के कप्तान डेविड वार्नर ने लगातार गेंदबाजी में बदलाव किए। छरहरे बदन के तेज गेंदबाज बिली स्टैनलेक ने पांचवें ओवर में गुप्टिल को आउट करके यह साझेदारी तोड़ी जिसके बाद न्यूजीलैंड की पारी बिखर गई। मुनरो अगले ओवर में पवेलियन लौट गए। एगर ने सातवें ओवर में कप्तान केन विलियमसन (नौ) और मार्क चैपमैन (आठ) को आउट करके मध्यक्रम की कमर तोड़ी। टेलर और ईश सोढी (13) ने नौवें विकेट के लिए 38 रन जोडक़र टीम का स्कोर 150 रन तक पहुंचाया।

पाकिस्तान में होंगे पीएसएल के तीन मैच, कई अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी जुड़े

कराची (एजेंसी)।

पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) के तीसरे सत्र की दुबई में शुरूआत होगी जिसमें इस बार छठी टीम और अधिक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर जुड़े हैं और जिसके तीन मैच स्वदेश में खेले जाएंगे। मुल्तान सुल्तान्स के रूप में नयी टीम तथा शेन वाटसन और ब्रेंडन मैकुलम जैसे अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों के जुड़ने से पिछले वर्षों में स्पाट फिक्सिंग विवादों से घिरे इस टी20 टूर्नामेंट को नया जीवन मिला है। पीएसएल के तीन मैचों का आयोजन लाहौर और कराची में करने का फैसला किया गया है जिससे अगले साल पूरा टूर्नामेंट पाकिस्तान में आयोजित करने के लिये रास्ता साफ हो सकता है। सुल्तान्स के कोच अपने जमाने के दिग्गज तेज गेंदबाज वसीम अकरम और कप्तान शोएब मलिक हैं। उसका पहला मैच गुरूवार को दुबई में मौजूदा चैंपियन पेशावर जल्मी से होगा। इससे पहले उदघाटन समारोह होगा जिसमें अमेरिकी रैपर जैसन डेरूलो भी शिरकत करेंगे। आतंकी हमलों के कारण पाकिस्तान पिछले कुछ वर्षों से अपने घरेलू मैचों का आयोजन संयुक्त अरब अमीरात में कर रहा है।

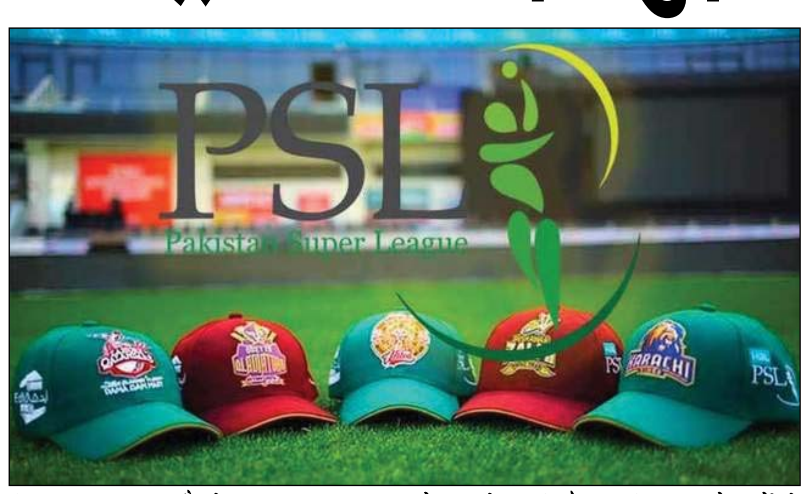

सुरक्षा में नाटकीय सुधार के बाद पिछले साल पीएसएल फाइनल लाहौर में कराया गया था। इस साल तीन में से दो प्लेआफ लाहौर में करवाने की योजना है जबकि 25 मार्च को होने वाले फाइनल की मेजबानी कराची का नेशनल स्टेडियम करेगा। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष नजम सेठी ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि 2019 में पूरा टूर्नामेंट स्वदेश में खेला जाएगा। उन्होंने टूर्नामेंट से पूर्व दुबई से एएफपी से कहा, ''इससे किसी शीर्ष टीम के साथ पाकिस्तान में पूर्णकालिक श्रृंखला के आयोजन का रास्ता साफ होगा। हमें खुशी है कि पीएसएल दो वर्षों में अंतरराष्ट्रीय ब्रांड बन गया है।'' पीएसएल में इस बार जो अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी भाग लेंगे उनमें इंग्लैंड के इयोन मोर्गन, एलेक्स हेल्स और जैसन राय, बांग्लादेश के तमीम इकबाल, शाकिब अल हसन और महमुदुल्लाह, आस्ट्रेलिया के वाटसन और क्रिस लिन, वेस्टइंडीज के सुनील नारायण, आंद्रे रसेल, सैमुअल बद्री, ड्वेन ब्रावो और कीरेन पोलार्ड तथा न्यूजीलैंड और मैकुलम और ल्यूक रोंची प्रमुख हैं।

यार्कशर में खेलने से इंग्लैंड दौरे की तैयारी में मदद मिलेगी: पुजारा

नयी दिल्ली। अप्रैल में देश के शीर्ष क्रिकेटर आईपीएल में खेल रहे होंगे तब टेस्ट विशेषज्ञ चेतेश्वर पुजारा भारत के इंग्लैंड दौरे के लिये अपना 'होमवर्क' शुरू करेंगे। पुजारा इंग्लिश काउंटी की मजबूत टीम यार्कशर के लिये डिविजन एक में खेलेंगे और उनकी निगाहें अगस्त में इंग्लैंड के खिलाफ खेली जाने वाली पांच टेस्ट मैचों की सीरीज की तैयारी पर लगी होंगी।

पुजारा ने कहा, ''मैं काउंटी सत्र में अच्छा करने की कोशिश करूंगा क्योंकि हम अगस्त में टेस्ट मैच खेलेंगे। 2015 में मैं यार्कशर के साथ था जब हमने काउंटी चैम्पियनशिप जीती थी। यह शानदार टीम है जिसमें काफी अच्छे पेशेवर क्रिकेटर मौजूद हैं। जिससे मुझे बेहतर क्रिकेटर बनने में मदद मिली।'' पुजारा के अनुसार काउंटी क्रिकेट में सबसे फायेदमंद चीज भारत के दौरे के टेस्ट स्थलों पर खेलना होगा जिससे उन्हें पिच और हालात के बारे में अच्छी जानकारी मिल जायेगी।

पुजारा ने कहा, ''इंग्लैंड के गर्मी के सत्र के शुरू में हेडिंग्ले में खेलने से किसी भी बल्लेबाज की तकनीक और जज्बे का परीक्षण होगा क्योंकि तब तापमान चार या छह डिग्री होता है। यहां तक कि 50 रन बनाना भी मुश्किल होगा। लेकिन जब भारत दौरा शुरू होगा तो यह ज्यादा खुशगवार हो जायेगा।'' उन्होंने कहा, ''डिविजन एक में खेलने के अपने फायदे हैं। मैं लाड्र्स में मिडिलसेक्स, बर्मिंघम में वारविकशर और ओवल में सर्रे के खिलाफ उनके मैदान पर खेलूंगा जहां भारतीय टीम भी टेस्ट मैच खेलेगी। इसलिये मुझे पिचों और हालात का अच्छी तरह पता चल जायेगा।'' पुजारा का मानना है कि तकनीक के हिसाब से दक्षिण अफ्रीका से इंग्लैंड में खेलने में ज्यादा फर्क नहीं है।

ऊंचा उड़ने के बाद पिछला साल मुझे जमीन पर ले आया: नायर

नयी दिल्ली। एक समय उभरते हुए खिलाड़ियों में शामिल करूण नायर को 12 महीने में ही अनुभव हो गया कि खेल में कितना उतार चढ़ाव आ सकता है। दिसंबर 2016 में टेस्ट क्रिकेट में तिहारा शतक जड़कर नायर ने सुर्खियां बटोरी थी लेकिन दिसंबर 2017 तक वह किसी भी प्रारूप में भारतीय टीम में जगह बनाने की दौड़ में शामिल नहीं थे। नायर की नजरें अब चोटिल आर विनय कुमार की गैरमौजूदगी में कर्नाटक को विजय हजारे ट्राफी का खिताब दिलाने पर टिकी हैं जिसे कल क्वार्टर फाइनल में हैदराबाद से फिरोजशाह कोटला पर भिड़ना है।

तिहरे शतक के बाद के जीवन के बारे में पूछने पर नायर ने कहा, ''पिछले एक साल ने मुझे सब कुछ दिखा दिया। यह मुझे आसमान पर ले गया और फिर धरती पर पटक दिया।'' फिर क्या सब सीखा यह पूछने पर नायर ने कहा, ''इसने मुझे सिखाया कि भावनात्मक रूप से स्थिर रहो। जब आप शीर्ष पर हो तो ऊंचे नहीं उड़ सकते क्योंकि आप कभी भी नीचे गिर सकते हो। आपको समान व्यक्ति रहना होगा। एक साल में ही इसने मुझे मेरे जीवन में सब कुछ दिखा दिया।''

शीतकालीन ओलंपिक में डोपिंग का तीसरा मामला

प्योंगचांग (एजेंसी)।

स्लोवेनिया के आइस हॉकी खिलाड़ी जिगा जेगलिक ड्रग परीक्षण में नाकाम रहे और उन्हें निलंबित कर दिया गया है लेकिन दिन की सबसे ज्यादा सुर्खियां बटोरी कनाडा की टेसा वर्चू और स्कॉट मोइर की जोड़ी ने जिन्होंने रिकार्ड प्रदर्शन से आइस डांस का स्वर्ण पदक जीता। जिगा जेगलिक इस ओलंपिक में डोपिंग में नाकाम रहने वाले तीसरे खिलाड़ी हैं। खेल पंचाट (सीएएस) ने जानकारी दी। इससे पहले कर्लिंग स्पर्धा में रूस के कांस्य पदक विजेता खिलाड़ी और जापान के शॉर्ट ट्रैक स्पीड स्केटर को डोपिंग में नाकाम रहने के बाद ओलंपिक से बाहर का रास्ता दिखा दिया गया। सीएएस ने अपने बयान में कहा कि जेगलिक का परीक्षण प्रतिबंधित फेनोटेरोल के उपयोग के लिये पाजीटिव पाया गया और इसके बाद उन्हें 24 घंटे के अंदर खेल गांव छोड़ने के लिये कहा गया। फेनोटेरोल को सांस संबंधी बीमारी के उपचार के लिये उपयोग किया जाता है।

सीएएस ने कहा ''जेगलिक ने डोपिंगरोधी नियमों के उल्लंघन को स्वीकार कर दिया है और उन्हें वर्तमान शीतकालीन ओलंपिक खेलों के बाकी मैचों से निलंबित कर दिया गया है।' वैंकुवर 2010 की चैंपियन टेसा वर्चू और स्कॉट मोइर की जोड़ी को फ्रांस की गैब्रिएला पापदाकिस और गुइलायुम सिजरोन से कड़ी चुनौती मिली जिन्होंने फ्री डांस में खुद का रिकार्ड तोड़ा। लेकिन वर्चू और मोइर ने स्केटिंग में पूरा दम लगाया और 122-40 अंक बनाकर जीत सुनिश्चित की। इन दोनों का कुल स्कोर 206-07 अंक रहा और उन्होंने फ्रांसीसी जोड़ी (205-28 अंक) को बेहद करीबी अंतर से हराया। वर्चू ने कहा, ''शानदार। सबसे खास पल आखिर में आया। हम पर काफी दबाव था लेकिन हमने जिस तरह का प्रदर्शन किया उससे हम बहुत खुश हैं।' यह 28 वर्षीय वर्चू और 30 वर्षीय मोइर का शीतकालीन ओलंपिक में कुल पांचवां पदक है। उन्होंने वैंकुवर में एक स्वर्ण जीता था। इसके चार साल बाद सोच्चि 2014 में उन्होंने आइस डांस और टीम स्पर्धा में रजत पदक जीते थे। प्योंगचांग में पिछले सप्ताह इस जोड़ी ने टीम स्पर्धा में सोने का तमगा हासिल किया था। इन दोनों ने सोमवार को मामूली बढ़त बना रखी थी जिस दिन पापदाकिस की पोशाक खिसकना भी चर्चा का विषय रहा। अमेरिका की माइया और अलेक्स शिबुतानी की भाई बहन की जोड़ी ने कांस्य पदक जीता।

वेरा न भरनेवालों पर मनपा की गिरी गाज, सील कार्यवाही शुरू

उधना में से 40.20 लाख की वसूली

सूरत। शहर मनपा मकान वेरा न भरनेवालों की मिल्कियत को सील करने का काम शुरू कर दिया। उधना और भेस्तान क्षेत्र के मिल्कियत मालिकों की मिन्नतों के बावजूद सील मारने तथा बोर्ड लगाने के काम में मनपा कर्मी जुटे हैं।

बुधवार को कुल 35 मिल्कियतों पर सील मारा गया जबकि अन्य बकायादारों के पास से कुल 8.90 लाख की वसूली की गई। इस प्रकार बुधवार को मिल्कियत वेरा तथा व्यवसाय वेरा मिलाकर कुल 40.20 लाख रु. से भी अधिक उधना साउथ जोन द्वारा वसूला गया। जमीन मिल्कियत विभाग की तरफ से भेस्तान के ई.डब्ल्यू.एस. आवास की किस्त न भरने पर 10 आवासों को सील मार दिया गया और 1.62 लाख की वसूली की गई।

दो लाख रुपए से भरी बैग झपटकर उचक्के फरार

सूरत। घोड़दौड़ रोड के एक्सिस बैंक के पास से जा रहे एक व्यक्ति के कंधे पर से 2 लाख रुपए से भरी बैग बाइक पर आए दो युवकों में से पीछे बैठा युवक झपट लिया और दोनों फरार हो गए। प्राप्त जानकारी के अनुसार सागरकुमार धनसुखलाल खत्री (जमूग रैस की बगल में नवसारी) गत रोज दोपहर के 2 बजे के करीब घोड़दौड़ रोड स्थित एक्सिस बैंक के आगे त्रिकोण पार्किंग के पास से जा रहे थे। उसी समय एक बाइक पर सवार होकर आए दो उचक्कों में पीछे बैठा युवक सागरभाई के कंधे पर से 2 लाख रुपए से भरी बैग को झपट कर फरार हो गया। घटना के संदर्भ में सागरभाई ने उमरा पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराया है। पुलिस अज्ञात बाइक सवारों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करके जांच कर रही है।

इशरत एन्काउंटर मामले में गुजरात के पूर्व डीजीपी पीपी पांडे बरी

अहमदाबाद (ईएमएस)। शहर के कोतरपुर क्षेत्र में 14 साल पहले हुए इशरत जहां एनकाउंटर मामले में गुजरात के पूर्व डीजीपी आईपीएस अधिकारी पीपी पांडे को सीबीआई की कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। अहमदाबाद की सीबीआई कोर्ट ने पीपी पांडेय को इशरत जहां एन्काउन्टर मामले में बरी कर दिया है। अहमदाबाद की विशेष सीबीआई अदालत ने बुधवार को कहा कि इशरत जहां मुठभेड़ मामले में गुजरात के पूर्व पुलिस चीफ पीपी पांडे पर आरोप नहीं लगाए जाएंगे। पीपी पांडे पर अन्य पूर्व पुलिस अधिकारियों के साथ सीबीआई द्वारा इशरत जहां मामले में साजिश, अवैध रूप से कारावास और हत्या के आरोप गए थे। पीपी पांडे इस मामले में पहले आरोपी हैं जिन्हें कोर्ट ने डिस्चार्ज कर दिया है। 15 फरवरी 2015 में मिली जमानत से पहले पीपी पांडे ने 19 महीने जेल में बिताया है। गौरतलब है कि 2004 में अहमदाबाद के कोतरपुर इलाके में 19 वर्षीय इशरत जहां के अलावा जावेद शेख उर्फ प्रणेश, जीशान जोहर और अमजद राणा समेत चार लोगों को गुजरात पुलिस ने कथित फर्जी एन्काउंटर मार गिराया था।

गुजरात पुलिस ने उस वक्त कहा था कि मारे गये लोग लश्कर के आतंकी थे और वे लोग तत्कालीन मुख्यमंत्री नरेंद्र मोदी की हत्या करना चाहते थे। पीपी पांडे अभी जमानत पर बाहर हैं और उन्होंने डिस्चार्ज की याचिका दाखिल की थी। उन्होंने अपनी याचिका में बहस के दौरान यह तर्क दिया था कि उनके खिलाफ दो गवाहों के बयान विरोधाभासी हैं। उन्होंने पुलिस बल में अपनी बहाली और पुलिस महानिदेशक के रूप में पदोन्नति के लिए भी कहा था। अदालत ने यह भी कहा कि पांडे सरकारी सेवक थे लेकिन सीआरपीसी की धारा 197 के अनुसार उनके विरुद्ध आरोपपत्र दायर करने से पहले जांच अधिकारी ने सरकार से उन पर मुकदमा चलाने की मंजूरी नहीं ली। सीबीआई ने 2013 में अपना पहला आरोपपत्र दायर कर आईपीएस अधिकारी पी पी पांडे, डी जी वंजारा और जी एल सिंहल समेत गुजरात पुलिस के सात अधिकारियों पर नामजद किया था और उन पर अपहरण, हत्या एवं साजिश का आरोप लगाया था।

सीबीआई ने पूरक आरोपपत्र में आईबी के विशेष निदेशक राजिंदर कुमार और अधिकारी एम एस सिन्हा समेत उसके चार अधिकारियों को नामित किया था। इस पर केंद्र की मंजूरी की अब भी इंतजार है।

टाइटन शोरूम से 1.54 करोड़ की चोरी मामले में एक गिरफ्तार

सूरत। अठवा लाइंस क्षेत्र की एक लग्जरियस घड़ी शोरूम में से 1.54 करोड़ रुपए की कीमती घड़ी चोरी होनी की घटना करीब 10 दिन पहले हुई थी। क्राइम ब्रांच पुलिस ने इस मामले की जांच करते हुए मोतीहारी गैंग के एक आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार अठवा विस्तार अंजनशलाका बिल्डिंग में स्थित घड़ी के शोरूम से 10 फरवरी को 8 चोरों ने 1.54 करोड़ रुपए की घड़ी चोरी करके रिक्शा में सवार होकर फरार हो गए थे। पुलिस ने सीसीटीवी कैमरे के आधार पर जांच शुरू की थी। आखिर 10 दिन के बाद क्राइम ब्रांच पुलिस को सफलता मिली और बिहार के मोतीहारी का रहने वाला सेमनशुल्ला देवान झुमन देवान (35 वर्ष) को गिरफ्तार कर लिया। इस गैंग के अन्य आरोपयों को शीघ्र ही पकड़े जाने का पुलिस दावा कर रही है।

सूरत। गजराज का दर्शन करना एक धार्मिक मान्यता हुआ करती थी। महावत कभी -कभी गजराज को दर्शन के लिए मोहल्लो- गलियों में घुमाते थे। लोग दर्शन करके गजराज को उनकी सूंड में पैसा और अन्य पदार्थ भेंट करते थे ,लेकिन अब महावत के लिए गजराज आय का स्त्रोत बनता जा रहा है। प्रतिदिन महावत गजराज को शहर के गलियों में घुमाकर सैकड़ो की आमदनी करने लगे है । गजराज का उल्लास -उमंग से दर्शन करते थे लेकिन अब गजराज हाथी बनकर ही रह गया है। हाथी महावत और उसके परिवार के लिए कमाई का माध्यम है। तस्वीर -कांतिलाल मांडोत

देवरियो नादान.. म्हारो पियो बसै परदेश..

फाग की मस्ती व चंग की थाप पर जमकर झूम रहे रसिया

सूरत। मौज, मस्ती, अल्हड़पन का दूसरा नाम फागुन है। जब जाड़े की जकड़न से मौसम अंगड़ाई ले तो फागुन की आहट सुनाई देने लगती है। चाहे- अनचाहे, जाने-अनजाने में हर दिल के मुहाने पर फागुन दस्तक देने लगता है और लोगों द्वारा फाग गीतों के स्वर का झरना फूट पड़ता है। हर जुबां पर लोकगीतों के बोल ऐसे चढ़ जाते हैं जैसे स्वर लहरों की सरिता हर हृदय में उमड़ रही हो। ढप, ढोलक और मंजीरे पर सधे हाथों की मस्ती भरी थाप पड़ती है तो बचपन के साथ पचपन का भी मन मयूर नाच उठता है। कुछ ऐसी ही मौज मस्ती भरी रातें शहर के परवत पाटिया, पूणा कुहारिया, गोड़ादरा, हरिनगर, भइया नगर सहित अन्य राजस्थानी प्रवासी बाहुल्य इलाके में लगने वाली रसियों की चौपालों गुजर रही है। दूर दूर से राजस्थानी प्रवासियों के साथ अन्य प्रांतों प्रवासी सहित सूरती लोग रसियों की पंचरंगी चौपाल में चंग, ढप, ढोलक, मंजीरे की थाप व लोकगीतों पर जमकर झूम रहे हैं।

होली के पवन से पर्व की मस्ती सराबोर कर देने वाले फागोउत्सव,सूरत की इस पावन धरा पर फागोउत्सव आयोजन का सिलसिला निभा रहे राजस्थान युवा संघ ट्रस्ट की ओर से अपना वार्षिक उत्सव के रूप में फागोउत्सव 2018 का थाम्ब रोपण एवं ध्वजारोहण का कार्यक्रम आज सुबह 9.30 बजे पर्वत पाटिया में कंगारू सर्कल के पास युटीएम मार्केट प्रांगण में किया गया । इस मौके पर ट्रस्ट के सभी पदाधिकारीगण एवं सदस्यगण के अलावा 84 तालुका सामाजिक न्याय चैयरमेन श्री बच्चू भाई, समाज सेवक परेश पटेल ,भरत पटेल , श्री विक्रम सिंह: शेखावत एवं पार्षद श्री विजय भी चौमाल भी मौजूद रहे । राजस्थान युवा संघ एवं छायडो द्वारा संचालित श्री शावलसा अस्पताल सेवार्थ या फागोउत्सव 2018 का आयोजन 26 फरवरी से 1 मार्च तक रात्री 9 बजे से किया जाएगा । फागोउत्सव 2018 में राजस्थान युवा संघ के रंगमंच पर अंतराष्ट्रीय ख्याती प्राप्त कलाकार श्री कमलेश पटेल,कुमार मद्रासी, पुनीत एंड प्रीति पार्टी ,ट्रेडिशनल वॉलीवुड ग्रुप, भावना शर्मा एंड पार्टी, पिंकी सीरवी,नागेंद्र शेखावत, लक्षमण छैला,मंजू गहलोत ग्रुप एवं धामूड़ी द्वारा राजस्थानी कला का रंगारंग प्रस्तुति होगी ।

प्रशासनिक लेटलतीफी से पैदा हुई समस्या से आम नागरिक परेशान

भागल चार रस्ता से एयर इंडिया ऑफिस और स्टोर शेरी तक पालिका ने खोदे खड्डो से वाहनधारको को तकलीफ का सामना करना पड़ता है। हर समय ट्रैफिक जाम लगा रहता है। स्थानीय दुकानदारों ने मार्ग जल्द दुरुस्त करने की मांग की है।

सूरत। शहर में बढ़ती वारदातों से आम नागरिक को परेशानी का सामना करना पड रहा है। प्रशासनिक व्यवस्था में बरती जाने वाली लापरवाही से शहर में तकलीफो की लंबी फेहरिस्त है। सड़को पर शहर के हर उपनगरीय क्षेत्रों में महानगर पालिका द्वारा ड्रेनेज की लाइन को दुरुस्त करने के लिए खोदे गए खड्डो से शहर में आवागमन बाधित हो रहा है।उसका कारण है कि समय पर काम पूर्ण नहीं किया जाता है। जिससे तकलीफ भोगनी पड़ती है। वाहनधारको द्वारा ट्रैफिक नियम का उलंघन करने से आवागमन बाधित हो रहा है। रिंगरोड के मुख्य मार्ग पर हर दिन जाम लगा रहता है। दिन में किसी भी समय वहा से गुजरते समय काफी देर तक ट्रैफिक जाम में फंस जाते है। मार्ग पर सड़क के बीचो बीच वाहन खड़े कर दिए जाते है।कपड़ा मार्केट में पिल्ले पट्टे को वाहनधारक तभी मानते है ,जब ट्रैफिक पुलिस बीट पर रहती है। गौरतलब है कि सूरत खड्डो का शहर बनता जा रहा है। टीकमनगर ,वराछा ,पांडेसरा ,रांदेर, उधना , अमरोली ,पालनपुर,भागल ,एयर इंडिया के सामने स्टोर शेरी , आदर्शनगर भूतमामा की गली स्थित पालिका द्वारा खड्डे खोदे गए है। इसके बाद भी शहर में जगह-जगह पालिका का कार्य चल रहा है। वाहनधारको को समस्या से गुजरना पड रहा है। उल्लेखनीय है कि शहर में सुधख़ोरों ने युवक का अपहरण कर रंगदारी वसुल करने की घटना से शहर में खलबली मचा दी थी। युवको ने पुलिस टीआरबी जवानो पर हमला किया। इसके उपरांत आत्महत्या ,धोखाधड़ी ,हत्या ,लूट.मारामारी आदि घटनाओ से आम नागरिक चैन से जीवन यापन नही कर सकता।आम लोगो को सहन करना पड़ता है। शहर मवालियो के चंगुल में फसता जा रहा है। ईमानदारी के नाम पर धोखाधड़ी रोजमर्रा बनती जा रही है। पुलिस प्रशासन का कोई खौफ नहीं है। शहर में एक के बाद एक वारदात हो रही है, लेकिन पुलिस प्रशासन सब सलामत की बात करता थकता नहीं है। नतीजतन , कपड़ा उधोग मंदी की मार से गुजर रहा है। कपड़ा उधोग में जहा ईमानदारी की दुहाई दी जाती थी ,वहां पर अपवाद को छोड़ कर ऐसी घटना बनती जा रही है, जिससे व्यापारी भी धोखाधड़ी का शिकार बन जाता है। जो वो घटना कभी भुलाई नहीं जा सकती ।व्यापारियों की सुजबुझ से घटना को रोक दिया जाता है। शहर में हर व्यक्ति महंगाई से परेशान है। धंधा -व्यापार में मंदी व्याप्त है। नागरिको को हर समय समस्या को पार करना पड़ता है। सड़क पर भी ठगा जाना सहज बात हो गई है। सब्जिया का दाम आसमान छू रहे है। सूखा-मेवा आदि के दाम से आय के स्त्रोत सिमित होने से दाम अदा करना बहुत मुश्किल होता जा रहा है।अलबत्ता, धोखाधड़ी के भय से हर शख्श भयभीत है। दरअसल , घटनाओ से पुलिस प्रशासन और महानगरपालिका को ध्यान आकृष्ट करना होगा। वारदात की रोकथाम के लिए प्रशासनिक अधिकारियो को सख्त होना पड़ेगा। उसके लिए प्रशासन को अपने अधिकारिक बल प्रयोग करने की आवश्यकता है। तभी घटना का सिलसिला रुक सकता है।

जीएसटी झंझट से व्यापारियों को राहत

कपड़े को प्रदेश में कहीं भी लाने व ले जाने पर नहीं लगेगा ई-वे बिल

सूरत। कपड़ा व्यापारियों को जीएसटी के झंझट से राहत मिल गई। पेंचीदगियों से भरे जीएसटी की समस्या से जूझ रहे कपड़ा व्यापारी कई बार केंद्रीय वित्तमंत्री अरूण जेटली व स बंधित वि भाग के अधिकारियों व राजस्व सचिव से मिले। व्यापारियों ने उनसे जीएसटी से कपड़ा उद्योग में होने वाली समस्या से अवगत कराया। राजस्व सचिव गढिया के निर्देश पर एसजीएसटी सूरत आयुक्त से व्यापारी मिले और जीएसटी से होने वाली समस्या के बारे में अवगत कराया। एसजीएसटी आयुक्त पीडी बघेला ने व्यापारियों की जीएसटी स बंधित समस्या के समाधान के लिए शुक्रवार को परिपत्र जारी कर प्रदेश में किसी भी जगह किसी भी वस्तु को ले जाने व ले आने पर ई-वे बिल को समाप्त किया। गुजरात प्रदेश में ई वे बिल समाप्त होने पर मंगलवार दोपहर एनटीएम कपड़ा मार्केट में बजरंग भाई, खेमसिंह, नंदू सिंह, गोपाल रिणवा, भवर लाल सहित अन्य कपड़ा व्यापारियों ने खुशी का इजहार किया और एसजीएसटी आयुक्त का तहे दिल से आ भार जताया।

लिंबायत में युवक ने एसीड पीकर की आत्महत्या

सूरत। लिंबायत की संतोषी नगर सोसाइटी में रहने वाले भरतभाई बेहरा (40 वर्ष) ने अपने घर में किसी कारणों से एसीड पी लिया। जिसको इलाज के लिए स्मीमेर अस्पताल में ले जाया गया। जहां पर चिकित्सकों ने जांच करने के बाद भरतभाई को मृत घोषित कर दिया। घटना के संदर्भ में लिंबायत पुलिस आत्महत्या का मामला दर्ज करके जांच कर रही है।

अहमदाबाद मंडल की 12 जोड़ी ट्रेनों में लगेंगे अतिरिक्त कोच

अहमदाबाद (ईएमएस)। पश्चिम रेलवे द्वारा आगामी त्यौहारों के दौरान यात्रियों की बढ़ी संख्या व उनकी सुविधा को ध्यान में रखते हुए अहमदाबाद मंडल से होकर गुजरनेवाली 12 जोड़ी ट्रेनों में अतिरिक्त लगाए जा रहे हैं। जिसके मुताबिक ट्रेन संख्या 12972/12971 भावनगर-बांद्रा टर्मिनस (प्रति दिन) में 1 मार्च से 31 मार्च तक भावनगर से तथा 4 मार्च से 3 अप्रैल तक बांद्रा टर्मिनस से एक स्लीपर कोच जोड़ा जाएगा। इसी प्रकार ट्रेन संख्या 19217/19218 बांद्रा टर्मिनस-जामनगर एक्सप्रेस (प्रति दिन) में 2 मार्च से 1 अप्रैल तक बांद्रा टर्मिनस से तथा 3 मार्च से 2 अप्रैलतक जामनगर से एक स्लीपर कोच जोड़ा जाएगा। ट्रेनसंख्या 19116/19117 भुज-दादर एक्सप्रेस (प्रति दिन) में 01 मार्च से 31 मार्च तक भुज से तथा 02 मार्च से 01 अप्रैल तक दादर से एक थर्ड एसी कोच जोड़ा जाएगा। ट्रेन संख्या 22973/22974 गांधीधाम-पुरी एक्सप्रेस (साप्ताहिक) में 7 मार्च से 28 मार्च तक गांधीधाम से तथा 10 मार्च से 31 मार्च तक पुरी से एक थर्ड एसी कोच जोड़ा जाएगा। ट्रेन संख्या 22915/22916 बांद्रा टर्मिनस-हिसार एक्सप्रेस (साप्ताहिक) में 5 मार्च से 26 मार्च तक बांद्रा से तथा 6 मार्च से 27 मार्च तक हिसार से एक थर्ड एसी कम सेकण्ड एसी का कम्बाइण्ड कोच जोड़ा जाएगा। ट्रेन संख्या 19055/19056 वलसाड-जोधपुर एक्सप्रेस (साप्ताहिक) में 6 मार्च से 27 मार्च तक वलसाड से तथा 7 मार्च से 28 मार्च तक जोधपुर से एक थर्ड एसी कोच जोड़ा जाएगा। ट्रेन संख्या 19027/19028 बांद्रा-जम्मूतवी एक्सप्रेस (साप्ताहिक) में 3 मार्च से 31 मार्च तक बांद्रा से तथा 05 मार्च से 02 अप्रैल तक जम्मूतवी से एक स्लीपर कोच जोड़ा जाएगा। ट्रेन संख्या 22949/22950 बांद्रा-दिल्ली सराय रोहिल्ला एक्सप्रेस (साप्ताहिक) में 7 मार्च से 28 मार्च तक बांद्रा से तथा 8 मार्च से 29 मार्च तक दिल्ली सराय रोहिल्ला से एक स्लीपर कोच जोड़ा जाएगा। ट्रेन संख्या 22931/22932 बांद्रा-जेसलमेर एक्सप्रेस (साप्ताहिक) में 2 मार्च से 30 मार्च तक बांद्रा से तथा 3 मार्च से 31 मार्च तक जेसलमेर से एक थर्ड एसी कम सेकण्ड एसी का कम्बाइण्ड कोच लगाया जाएगा। ट्रेन संख्या 22935/22936 बांद्रा-पालिताणा एक्सप्रेस (साप्ताहिक) में 2 मार्च से 30 मार्च तक बांद्रा से तथा 3 मार्च से 31 मार्च तक पालीताणा से एक थर्ड एसी कोच जोडा जाएगा। ट्रेन संख्या 19165/19166 अहमदाबाद-दरभंगा साबरमती एक्सप्रेस (त्रिसाप्ताहिक) में 2 मार्च से 30 मार्च तक अहमदाबाद से तथा 5 मार्च से 2 अप्रैल तक दरभंगासे एक थर्ड एसी कोच अतिरिक्त रूप से जोड़ा जाएगा। ट्रेन संख्या 19167/19168 अहमदाबाद-वाराणसी साबरमती एक्सप्रेस (सप्ताह में 4 दिन) में 1 मार्च से 31 मार्च तक अहमदाबाद से तथा 04 मार्च से 3 अप्रैल तक वाराणसी से एक थर्ड एसी कोच अतिरिक्त रूप से जोड़ा जाएगा।

शहर मनपा ने दूर किया अतिक्रमण

संवाददाता, सूरत। शहर में ट्रैफिक समस्या को ध्यान में रखते हुए मनपा कमिश्नर के आदेशानुसार मनपा का तोड़दस्ता अतिक्रमण दूर करने में जुटा है। बुधवार को शहर के उमरा-साउथ, वॉर्ड नं. 5, वॉर्ड नं. 11, अड़ाजण तथा कतार गाम क्षेत्र में से हजारों वर्ग फुट पर से अतिक्रमण हटा कर रोड को खुला किया गया।

तीसरी मंजिल से गिरे श्रमिक की मौत

सूरत। अमरोली के उत्राण सर्कल के पास सिल्वर बिजनेस प्वाइंट की नई बन रही बिल्डिंग की तीसरी मंजिर पर काम करते समय अचानक नीचे गिरने से गंभीर चोट लगने के कारण एक श्रमिक की मौत हो गई।

घटना के बारे में प्राप्त जानकारी के अनुसार कतारगांव विस्तार के उत्राण के पास सिल्वर बिजनेस प्वाइंट की नई बिल्डिंग का निर्माण चल रहा है। जिसकी साइट पर मुकेश मनराज नामक श्रमिक तीसरी मंजिल पर मंगलवार को काम कर रहा था। उसी समय अचानक वह नीचे गिर गया। जिसे गंभीर हालत में इलाज के लिए स्मीमेर अस्पताल में ले जाया गया। जहां पर जांच के बाद मुकेश को मृत घोषित कर दिया गया। कतारगांव पुलिस आकस्मिक दुर्घटना का मामला दर्ज करके जांच कर रही है।

सर्प दंश से किशोर की मौत

संवाददाता, सूरत। सरथाणा के सलकाणा स्थित बापा सीताराम हॉल के पास रहने वाले राम सागर चौरसिया का 10 वर्षीय पुत्र घर के छत पर खेल रहा था। उसी दौरान सांप ने उसे डस लिया जिससे उसकी मौत हो गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार सरथाणा के लसकाणा बापा सीताराम हॉल के पास रहने वाले राम सागर चौरसिया नौकरी करके परिवार का गुजारा करते हैं। गत मंगलवार को सागरभाई का बेटा श्यामू (10 वर्ष) छत पर खेल रहा था। उसी समय श्यामू को सांप ने डस लिया। जिसको इलाज के लिए अस्पताल में ले जाया गया जहां पर डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

राज्य में पहली बार वड़ोदरा में शुरु होगा सेन्ट्रल कैदियों द्वारा संचालित पेट्रोल पम्प

वड़ोदरा (ईएमएस)। राज्य में पहली बार वड़ोदरा शहर में सेन्ट्रल जेल के कैदियों द्वारा संचालित पेट्रोल पम्प शुरु होगा। वड़ोदरा की सेन्ट्रल जेल में सजा काट रहे कैदियों में कुछ कैदी विभिन्न प्रकार के कार्य करते हैं। जेल के कैदियों की कार्रवाई से राज्य सरकार भी प्रभावित है। जिसके चलते अब वड़ोदरा में सेन्ट्रल जेल के कैदियों संचालित पेट्रोल पम्प शुरू करने के लिए सरकार द्वरा हरी झंडी दी गई है। वड़ोदरा में दंतेश्वर स्थित ओपन जेल व सेन्ट्रल जेल मिलाकर कुल दो जेल में पेट्रोल पम्प निकट के भविष्य में शुरु किया जाएगा। राज्य के वड़ोदरा में कैदियों द्वारा संचालित पहला पेट्रोल पम्प होगा। ओइल कंपनी द्वारा दंतेश्वर में सर्वे भी शुरु किया गया है। उल्लेखनीय है कि वड़ोदरा सेन्ट्रल जेल के कैदियों द्वारा हाल जेल में फर्निचर बनाने, बैकरी का संचालन करने और कुछ कैदी लोन्ड्री व प्रिन्टिंग प्रेस भी चलाते है। वहीं अन्य कैदी टेलर का कामकाज भी करते है। जेल में सभी कैदी सफलतापूर्वक अपने कार्यों का संचालन करते हैं। जेल कैदियों द्वारा किए जा रहे कामकाज के ट्रेक रेकोर्ड से प्रभावित होकर सरकार ने पेट्रोल पम्प शुरु करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी है।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ऑफसेट एफपी. 149, प्लोट 26 खोडियार नगर, सिद्धीविनायक मंदिर के पास, (भाटेना) हॉ.सो. अंजना सूरत, गुजरात से मुद्रित, एवं 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात से प्रकाशित, **संपादक :- सुरेश मौर्या** फोन नं. (9879141480) **Tc.No. : GUJHIN00722**, E-mail: krantisamay@gmail.com